CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-60
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार,06 जून 2024

आज का विचार

सच्चा सुधारक वही है जो पहले अपना सुधार करता है।

... तो क्या अगले शिवराज बनेंगे योगी आदित्यनाथ ?

उत्तर प्रदेश में बीजेपी के खराब प्रदर्शन को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं? एक तरफ जहां अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी को उम्मीद थी कि उत्तर प्रदेश में तो कम से कम बीजेपी का प्रदर्शन अच्छा रहेगा। लेकिन 80 में से आधी सीटें भी बीजेपी के खाते में नहीं आई. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कामकाज को लेकर सवाल उठने लगे हैं! लेकिन सूत्रों के हवाले से खबर यह भी है कि डेढ़ दर्जन से ज्यादा टिकट केंद्रीय नेतृत्व में अपनी मर्जी से दे दिए थे. 80 टिकट में से 20 नाम योगी आदित्यनाथ ने उन लोगों के दिए थे जो स्थानीय स्तर पर प्रत्याशी बनाकर जीत सकते थे. लेकिन इन नाम को दर किनार करते हुए केंद्रीय नेतृत्व में अपनी ओर से नाम मैदान में उतारे। उन्हीं में से एक अयोध्या के लल्लू सिंह थे. इसी तरह न जाने कितने लल्लू हैं

जिनकी वजह से पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। सूत्रों के हवाले से खबर यह भी है कि योगी बाबा ने सहयोग किया पर भारी मन से किया।

दूसरों को लल्लू समझते थे लल्लू सिंह अयोध्या में बीजेपी की हार का एक कारण यह भी है कि यहां पर जिस प्रत्याशी को भाजपा ने उतारा वहां फैजाबाद में लल्लू सिंह किसी की नहीं सुनते थे, ना किसी का काम करते थे यहां तक की लोग अगर उनके पास काम लेकर आते थे तो वे उन्हें अपने यहां से रवाना होने को कह देते थे. रही सही कसर अयोध्या में हो रही तोड़फोड़ ने निकाल दी और जातिगत समीकरण भी यहां पर हावी रहे. दरअसल कांग्रेस इस बात को यहां पर मनवाने में सफल रही की राम केवल बीजेपी की नहीं बल्कि सबके हैं।

शिवराज का कद बढ़ा, मोदी कैबिनेट में मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

केंद्र में एनडीए सरकार बनना तय होने के बाद उन नामों पर चर्चा भी शुरू हो गई हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी टीम में शामिल कर सकते हैं। इनमें मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और विदिशा लोकसभा सीट से शानदार जीत दर्ज करने वाले शिवराज सिंह चौहान भी शामिल हैं।माना जा रहा है कि मोदी, शिवराज सिंह को बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। यहां तक कहा जा रहा है कि शिवराज को कृषि मंत्री बनाया जा सकता है। शिवराज को मध्य प्रदेश में पिछले वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा की क्लीन स्वीप जैसी जीत के बाद भी जब मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया था, तभी से अटकलें लगाई जा रही थीं कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी कोई बड़ी जिम्मेदारी देना चाहते हैं। शिवराज के निर्वाचन क्षेत्र विदिशा में चुनाव प्रचार करते हुए प्रधानमंत्री ने ऐलान किया था कि वह उन्हें अपने साथ दिल्ली ले जा रहे हैं।

संसद में नजर आएंगे ये पूर्व मुख्यमंत्री- लोकसभा चुनाव में भाजपा ने कुछ पूर्व मुख्यंत्रियों को भी टिकट दिया था। अब ये नेता संसद में नजर आएंगे। इनमें हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और कर्नाटक के पूर्व सीएम बासवराज बोम्मई भी शामिल हैं। इन दोनों नेताओं को लेकर भी चर्चा है कि अगली सरकार में अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। इनके अलावा जीतन राम मांझी, चरणजीत सिंह चन्नी, बिप्लब देब, उन पूर्व मुख्यमंत्रियों में शामिल हैं जो संसद में नजर आएंगे। कर्नाटक से बोम्मई के अलावा दो अन्य पूर्व मुख्यमंत्रियों ने भी लोकसभा चुनाव की परीक्षा पास की है। इनमें भाजपा से जगदीश शेट्टार तथा जदएस के एचडी कुमारस्वामी शामिल हैं।

क्या राहुल गांधी लेंगे नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी

इनकार किया तो अखिलेश यादव को मौका संभव

लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद नई सरकार के गठन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। ताजा खबर है कि 18वीं लोकसभा के गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के क्रम में आज मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू नवनिर्वाचित सांसदों की सूची लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। इसके बाद ही राष्ट्रपति सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगी। इस बार कांग्रेस ने नेता प्रतिपक्ष बनने लायक संख्या हासिल कर ली है। साथ ही राहुल गांधी को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाने की मांग भी उठने लगी है। इसका फैसला कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में किया जाएगा। इस बारे में राहुल गांधी की ओर से कोई संकेत नहीं मिला है। वैसे यूपीए-2 के कार्यकाल में राहुल गांधी को मंत्रिमंडल में स्थान देने की मांग उठी थी, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया था। इस बार भी यदि राहुल गांधी जिम्मेदारी लेने से बचते हैं तो अखिलेश यादव को नेता प्रतिपक्ष बनाया जा सकता है। बता दें, इससे पहले बुधवार को नई दिल्ली में मोदी मंत्रिमंडल की आखिरी कैबिनेट बैठक और फिर एनडीए घटक दलों की बैठक हुई। बैठक में नरेंद्र मोदी को सर्वसम्मति से नेता चुने गए। इसके बाद पीएम मोदी राष्ट्रपति भवन गए और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा सौंप दिया। अब 7 जून को भाजपा और एनडीए संसदीय दल की बैठक होगी। इसके बाद एनडीए की ओर से सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। इस बार केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गठबंधन की सरकार बनने जा रही है, जिसमें नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी की भूमिका अहम होने जा रही है। इस बीच, एनडीए और आइएनडीआइए के नेताओं के बीच बैठकों का दौर जारी है। आइएनडीआइए ने तय किया है कि हालात पर नजर रखेंगे और अभी सरकार बनाने की कोशिश नहीं करेंगे। हालांकि आप नेता संजय सिंह ने गुरुवार को संकेत दिए कि विपक्षी अभी सरकार बनाने की कवायद में जुटा है। उन्होंने कहा, पर्दे के पीछे सभी पक्षों से सम्पर्क साधने की कोशिश की जा रही है, जिसके बारे में खुलकर नहीं बताया जा सकता है।

इजरायल ने गाजा पर फिर बरपाया कहर, स्कूल में मासूमों पर गिराए गए बम, 39 ने गंवाई जान

गाजा। इजरायल और फिलिस्तीन के बीच संघर्ष खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। इस बार इजरायली सेना ने मध्य गाजा पट्टी में नुसीरात शिविर में एक स्कूल को निशाना बनाया है। इस हवाई हमले में कम से कम 39 फिलिस्तीनी की मौत हुई है और दर्जनों लोग घायल बताए जा रहे हैं। 39 फिलिस्तीनी में से यादातर बचे और महिलाएं थीं। एक समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली लड़ाकू

जेट ने कम से कम तीन कक्षाओं पर कई मिसाइलों से हमला किया। इस स्कूल में सैंकड़ों फिलिस्तीनी शामिल थे। वहीं एपी की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सेना का कहना है कि उसने गाजा पट्टी में एक स्कूल के अंदर हमास परिसर पर हमला किया। हमास की तरफ से संचालित गाजा सरकार के मीडिया कार्यालय ने स्कूल पर इजरायल के हमले को भयानक नरसंहार बताया और इसकी निंदा की। वहीं हमले को लेकर कहा जा रहा है, इजरायली सेना, नागरिकों के खिलाफ किए गए नरसंहार के अपराध का स्पष्ट सबूत है। कार्यलय ने आगे कहा कि, इजरायल और अमेरिका जो मानवता को खतरे में डालते हैं, उन्हें इन हमलों की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। कार्यलय के मुताबिक,ये दोनों देश अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हैं। बता दें कि इजरायल पक्ष की तरफ से इस घटना पर अभी कोई जवाब सामने नहीं आया है।

इंदौर में समलैंगिक डेटिंग एप के जरिए बुलाकर दो युवकों को लूटने वाला गिरफ्तार

इंदौर। खजराना पुलिस ने ऐसे बदमाश को गिरफ्तार किया है जो समलैंगिक डेटिंग एप के जरिए युवकों से दोस्ती कर उनसे मोबाइल, आभूषण और नकदी रुपये लूट लेता था। आरोपित ने दो समलैंगिकों को लूटना स्वीकार लिया है। घटनाओं में शामिल एक आरोपित की तलाश जारी है।डीसीपी जोन-2 अभिनय विश्वकर्मा के मुताबिक शिव शक्तिनगर निवासी राहुल बानिया के साथ कुछ दिनों पूर्व घटना हुई थी। राहुल की एक युवक से समलैंगिक डेटिंग एप पर दोस्ती हुई थी। उसने मिलने के लिए खजराना थाना क्षेत्र स्थित स्टार चौराहा पर बुलाया और सुनसान जगह पर ले जाकर दोस्त की मदद से लूट लिया। बुधवार को पुलिस ने इस मामले में तोहिद रजा को पकड़ लिया। आरोपित घटना के बाद अजमेर भाग गया था। डीसीपी के मुताबिक एक अन्य आरोपित भी इस घटना में शामिल था। तोहिद ने दो युवकों के साथ वारदात करना कबूला है। इंदौर भंवरकुआं पुलिस ने 90 हजार रुपये चुराने के मामले में नौकर को गिरफ्तार किया है। उससे रुपये भी बरामद कर लिए हैं। टीआइ राजकुमार यादव के मुताबिक आरोपित ललित रघुवंशी निवासी पहाड़सिंहपुरा खरगोन है। आरोपित ने खरगोन निवासी व्यापारी की कार की डिक्की से रुपये चुराए थे।

इंदौर-खंडवा राजमार्ग पर मकानों में आई दरारें ग्रामीण सर्वे पर अड़े, एनएचएआई ने किया इनकार

इंदौर। इंदौर-खंडवा-एदलाबाद राजमार्ग के निर्माण के दौरान दोबारा सिमरोल के घरों में दरारें आने लगी है। ग्रामीण चाहते है कि ब्लास्टिंग से होने वाले नुकसान के संबंध में फिर से सर्वे करवाया जाएगा। मगर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने ऐसा करने से साफ मना कर दिया है।ग्रामीण और एचएचएआइ आमने-सामने आ चुके है। इसके चलते राजमार्ग का काम सिमरोल में रुका है। दस दिन से ग्रामीण निर्माण एजेंसी वहां छोड़कर बाकी तरफ सड़क बनाने में लगी है। हालांकि एनएचएआइ अब जिला प्रशासन को हस्ताक्षेप करने की गुहार लगा रहा है, लेकिन ग्रामीण नुकसान की भरपाई के लिए अड़े हुए है। जबकि एनएचएआइ और निर्माण एजेंसी नेताओं के माध्यम से ग्रामीणों पर दवाब बना रहे है। राजमार्ग के लिए सिमरोल और भेरुघाट में ब्लास्टिंग से ग्रामीणों के मकानों में दरारें आ गई थी। एनएचएआइ ने आइआइटी इंदौर से सर्वे करवाया। अब ग्रामीण इसे सर्वे को गलत बता रहे है, क्योंकि सर्वे के लिए टीम सिर्फ कुछ घरों का निरीक्षण कर लौट गई। ग्रामीणों ने यहां तक आरोप लगाया कि मनमाने ढंग से सर्वे रिपोर्ट बनवाई है।ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण एजेंसी लगातार स्थानीय नेताओं के माध्यम से ग्रामीणों पर दवाब बना रही है। इसके लिए वह बड़े नेताओं का सहारा ले रहे है। ग्रामीण दोबारा नई संस्था से सर्वे की मांग पर अड़े है। नुकसान के बदले में मुआवजा चाहते है न कि मकानों की मरम्मत।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्यक्रम का रामनगर जनपद सीईओ ने किया शुभारंभ

सिटी चीफ,उमेश कुशवाहा रामनगर-जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत बड़ा इटमा के अमृत सरोबर तालाब मन्नी में जल भराव के फ़ीडर चैनल का निर्माण कार्य खारा ग्राम पंचायत में बीज़ रोपण कार्य जन सहयोग से प्रारंभ किया गया कार्यक्रम में रामनगर जनपद सी ईओ एम एल प्रजापति लोक स्वास्थ यांत्रिकी बिभाग के सहायक यंत्री आर के पटेल उपयंत्री आर के मिश्रा समाजसेवी सुभाष पाण्डेय खारा सरपंच श्री मति उमा सिंह सचिव मथुरा पटेल कृषि बिभाग आर ए ई ओ एस के खंगार,मोनु निलामा उप सरपंच बड़ा इटमा लोलवा कोल खारा सरपंच प्रतिनिधि दानेंद्र प्रताप सिंह राज सिंह रामशखा यादव शिब्बू सिंह विकास सिंह अभिषेक मिश्रा सहित आधा सैकड़ा ग्रामीण मौजूद रहे।

इंजीनियर और ठेकेदार की मिली भगत से बिना रेत के चल रहा काम, चंद दिनों में सड़क की उड़ जायेगी धज्जियां

सिटी चीफ, उमेश कुशवाहा। मैहर में डेल्हा से जरियारी मार्ग में निर्माणाधीन सड़क निर्माण में बिना रेत के धड़ल्ले से कार्य चालू है क्षेत्र में पहाड़ी का पानी तेजी के साथ बहता है जिससे पहले। भी कई बार सड़के और पुल बह चुके है लेकिन इसके बावजूद ठेकेदार और इंजीनियर की मिलीभगत से बिना रेत के ही कार्य किया जा रहा है जिसकी की आगामी दिनों में कुछ ही समय में पुल उखड़ कर बह जायेगी मामले की जानकारी भी संबंधित इंजीनियर संजीव शर्मा को जानकारी दी गई लेकिन उनके कानों में भी जू रेंग कर रह गई और ठेकेदार से मिली भगत में मस्त है और उनके इशारों से ही पूरा काम चलता है मैहर में जिले की मुखिया इन दिनों सभी विभागों की बैठ ले रही है क्या पीडब्ल्यूडी की सड़को का भी हो सकता है निरीक्षण , या फिर इसी तरह ठेकेदार और इंजीनियर भारष्टाचार में लिप्त रहेंगे

सिंगल कॉलम

गलत दवा देने के मामले में इंदौर डिफेंस एकेडमी के दो टीचर्स पर केस

इंदौर। इंदौर की बेटमा पुलिस ने डिफेंस एकेडमी के दो प्रोफेसरों पर गलत दवा देने के मामले में केस दर्ज किया है। वहां पढ़ने वाले स्टूडेंट ने आरोप लगाया कि अग्निवीर एग्जाम के रिजल्ट में फेल होने से उसकी तबीयत ठीक नहीं लग रही थी। वहां के दो टीचर्स ने पानी में पावडर घोलकर दे दिया। जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई।

बेटमा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक निहाल (19) पुत्र संदीप चौधरी निवासी गोकलपुर थाना देपालपुर की शिकायत पर गोलू यादव पृथ्वी डिफेंस एकेडमी और शुभम पर केस दर्ज किया गया है। निहाल ने अपनी शिकायत में बताया कि वह इस एकेडमी से एक साल से पढ़ाई कर आर्मी में जाने की तैयारी कर रहा है।

उसने 22 अप्रैल को अग्नि वीर की एग्जाम दी थी। 28 मई को उसका रिजल्ट आया। इसमें वह फेल हो गया। इस बात से वह तनाव में था। इसे लेकर टीचर गोलू यादव और शुभम ने घोलकर कुछ पिला दिया। इसके पीने के बाद तबीयत बिगड़ती तो निहाल को अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान दोनों ने मुझसे कहा कि किसी को मत बताना कि कुछ पिलाया है। तुम्हारा सिलेक्शन अगले साल हो जाएगा। रात को घर पहुंचा तो अगले दिन फिर तबीयत बिगड़ी। तब बेटमा के बाद देपालपुर फिर इंदौर के सीएचएल अस्पताल भेजा। यहां पुलिस को सूचना दी गई। यहां अपने बयान देने के बाद पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया।

12वीं की सप्लीमेंट्री परीक्षा 8 जून से, इंदौर में 15 परीक्षा केंद्रों पर होगी परीक्षा

इंदौर। माध्यमिक शिक्षा मंडल की सप्लीमेंट्री एग्जाम जिले में 15 परीक्षा केंद्रों पर होगी। एमपी बोर्ड ने इसके लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। वेबसाइट से स्टूडेंट्स डाउनलोड कर सकता है। 8 जून को 12वीं और 10 से 20 जून तक 10वीं की सप्लीमेंट्री की एग्जाम होगी। बता दें 3 जून को प्रवेश पत्र की लिंक जारी कर दी गई थी। एग्जाम की तैयारी के मद्देनजर सेंटर पर केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष नियुक्त कर दिए हैं। मूल्यांकन केंद्र मालव कन्या उमावि को बनाया है। रिजल्ट भी जल्द ही जारी कर दिए जाएंगे। खासकर 12वीं के स्टूडेंट को अगले क्लास में एडमिशन के लिए परेशानी नहीं उठानी पड़े। स्टूडेंट्स की सुविधा के लिए विषय से संबंधित शिक्षकों के नंबर उन्हें उपलब्ध कराए गए है। स्टूडेंट सीधे टीचर से बात कर सवालों के जवाब ले सकते हैं। बोर्ड एग्जाम के रिजल्ट 24 अप्रैल को जारी हुए थे। 9 हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स को सप्लीमेंट्री आई थी।

खंडवा में धराया इंदौर का तस्कर, लाखों की चरस मिली

खंडवा। खंडवा पुलिस ने इंदौर के तस्कर को रेलवे स्टेशन पर पकड़ा हैं। वो बिहार के मोतिहारी से चरस लेकर आ रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से 3 किलो 700 ग्राम चरस बरामद की है। जिसकी कीमत साढ़े 18 लाख रुपए हैं। चरस गंध देती है, इसलिए तस्कर ने पॉलिथीन में सील कर उसे बैग में रखीं थी। पुलिस ने एक दिन की रिमांड में लेकर आरोपी से पूछताछ की। उसने बताया कि वो चरस पावडर लाकर इंदौर में गोलियां बनाता है। फिर सीधे ग्राहक को सप्लाई करता हैं।

टीआई दीलिप देवड़ा के मुताबिक, कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ट्रेन से उतरा एक शख्स थैली में नशा लेकर घूम रहा है। वह रेलवे स्टेशन के पीछे की साइड सूरजकुंड तरफ निकला है। इस पर वे खुद और एसआई चंद्रकांत सोनवणे, एएसआई जितेंद्र तिवारी, हेडकांस्टेबल लतेशपाल सिंह तोमर, अमित यादव व कांस्टेबल अरविंद सिंह तोमर ने रेलवे स्टेशन के पीछे घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। टीआई ने बताया पकड़े गए आरोपी समीरूद्दीन पिता सरफुद्दीन शेख (35) निवासी बड़वाली चौकी (मल्हारगंज, इंदौर) है। तलाशी में उसके पास पॉलीथीन के अंदर 3 किलो 700 ग्राम चरस जब्त की। जिसकी कीमत करीब 18 लाख 50 हजार रुपए हैं। आरोपी समीरूद्दीन नशे का सौदागर है। वह बिहार के मोतिहारी इलाके से चरस लेकर ट्रेन से खंडवा तक पहुंचा। फिर उसे इंदौर लेकर जा रहा था।

इंदौर में वह गोलियां बनाकर लोगों को चरस बेचता है। जब वह पुलिस से बचने के लिए ट्रेन से उतरकर पीछे के रास्ते से जा रहा था कि पकड़ा गया। आरोपी समीरूद्दीन के खिलाफ पूर्व में भी बिहार में एक एनडीपीएस एक्ट का मामला दर्ज है। जिसमें उसे 10 साल तक की सजा हुई हैं।

इंदौर लोकसभा चुनाव : नगरीय प्रशासन मंत्री ने लालवानी की विराट जीत का श्रेय दिया अक्षय बम को, इसी के साथ विधानसभावार आए नोटा के आंकड़े

विजयवर्गीय ने 'बम' के लिए बजवाई तालियां

सिटी चीफ इंदौर।

पर्यावरण दिवस पर बुधवार को नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय अपने विधानसभा क्षेत्र की एक बावड़ी की सफाई के लिए पहुंचे। वहां मंच से उन्होंने भाजपा की जीत का श्रेय कांग्रेस प्रत्याशी रहे अक्षय बम को दिया। अक्षय ने नाम वापसी के अंतिम दिन फॉर्म वापस ले लिया था और इंदौर में कोई कांग्रेस उम्मीदवार नहीं था।

विजयवर्गीय ने कहा कि शंकर लालवानी को पौने 12 लाख वोटों की जीत मिली है। यह अपने आपमें एक रिकॉर्ड है। शायद ही इसे कोई तोड़ पाए। लालवानी की सबसे बड़ी जीत का श्रेय अक्षय बम को जाता है। उनके कांग्रेस छोड़ने के साहसिक निर्णय के कारण ही यह जीत हमें मिली है। विजयवर्गीय ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से अक्षय बम के लिए तालियां भी बजवाईं। इस बीच यह आकलन भी सामने आया है कि इंदौर की किस विधानसभा सीट पर नोटा और बीजेपी को कितना फायदा हुआ है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि विजयवर्गीय की सीट पर सबसे ज्यादा नोटा का बटन दबा है।

विजयवर्गीय पंचकुइया क्षेत्र की बावड़ी व घाटों की सफाई करने भी पहुंचे। इसके अलावा उन्होंने कान्ह नदी का निरीक्षण भी किया। नदी किनारे गाद और गंदगी देख विजयवर्गीय ने अफसरों से पूछा कि बारिश से पहले नदी को साफ करने की प्लानिंग नहीं हुई क्या? इसके बाद उन्होंने कहा कि यदि समय पर नदी साफ नहीं हुई तो फिर शहर की निचली बस्तियों में पानी भरेगा। उन्होंने अफसरों को नदी से गाद हटाने के निर्देश दिए और कहा कि नदी से निकली गाद ज्यादा समय तक किनारों पर न रखें। बारिश आने पर गाद फिर नदी में चली जाएगी। विजयवर्गीय ने पर्यावरण दिवस पर अन्य कार्यक्रमों में भी भाग लिया और पौधे लगाए।

मंत्री विजयवर्गीय की सीट पर 31 हजार नोटा

इंदौर विधानसभा नंबर-1 मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की है। आरोप लगा था कि लोकसभा चुनाव में उन्होंने ही कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम को बीजेपी जॉइन करवाई है। इससे पार्टी में ही खुलकर मतभेद उभरे। विजयवर्गीय कह चुके हैं कि मेरी कोई भूमिका नहीं थी। उनकी सीट पर विधानसभा चुनाव के मुकाबले 22 हजार से ज्यादा वोटों का फायदा हुआ है लेकिन उससे ज्यादा 32 हजार वोट नोटा को चले गए।

महेंद्र हार्डिया की सीट पर बना नोटा का रिकॉर्ड

इंदौर 5 शहर की सबसे बड़ी विधानसभा सीट है। महेंद्र हार्डिया विधायक हैं। बीजेपी को 22 हजार+ वोट ज्यादा मिले हैं। दूसरी तरफ, मुस्लिम बहुल क्षेत्र खजराना, आजादनगर इसी क्षेत्र में आते हैं। यहां जमकर नोटा दबाए गए। यहां 53 हजार से ज्यादा वोट नोटा के पक्ष में दबाए गए हैं। देश में पहले कभी इतना बड़ा आंकड़ा किसी विधानसभा, लोकसभा चुनाव का नहीं है। यह अपने आप में रिकॉर्ड है।

पटवारी के क्षेत्र में बीजेपी को बढ़त

राऊ सीट से मधु वर्मा बीजेपी के विधायक है उन्होंने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को हराया था। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के इस क्षेत्र में बीजेपी को बढ़त मिली है। पटवारी ने ही नोटा में वोट डालने की अपील की थी। 32 हजार वोट बीजेपी को उनकी सीट पर ज्यादा मिल गए हैं। इसके उलट यहां 28 हजार 626 वोट ही नोटा में डले हैं।

सिलावट की सीट पर भी जमकर नोटा

राऊ-देपालपुर ग्रामीण क्षेत्र से बीजेपी को जैसा फायदा हुआ है, वैसा मंत्री तुलसी सिलावट के क्षेत्र में नहीं दिखा।

सिंधिया समर्थक मंत्री सिलावट के क्षेत्र में बीजेपी के 16 हजार वोट बढ़े हैं और 19 हजार वोट नोटा में डले गए। वहीं देपालपुर से मनोज पटेल बीजेपी के विधायक हैं। उन्होंने वोटिंग के एक दिन पहले वोट पर्सेंट बढ़ाने के लिए ताकत लगा दी, जिसका असर दिखा। यहां विधानसभा चुनाव के मुकाबले 48 हजार वोट ज्यादा बीजेपी को आए हैं। ग्रामीण क्षेत्र में भी 17 हजार नोटा दबा है लेकिन भाजपा ज्यादा वोट मिलने से संतोष कर सकती है। यह इकलौती सीट है, जहां नोटा से ज्यादा वोट बीजेपी की बढ़त के वोट हैं।

नोटा को लेकर भाजपा करेगी समीक्षा

इंदौर में बीजेपी प्रत्याशी शंकर लालवानी ने देश में सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। बीजेपी को विधानसभा चुनाव के मुकाबले 1.61 लाख वोटों का फायदा हुआ है क्योंकि सामने कांग्रेस नहीं थी। कुछ विधानसभा सीटों पर तो भाजपा का वोट बंपर तरीके से बढ़ा है लेकिन कुछ सीटों पर उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। भाजपा इसकी समीक्षा करेगी कि कांग्रेस की नामवापसी के बाद मिली बढ़त संतोषजनक है या फिर नोटा के कारण गया गलत मैसेज पार्टी की छवि के लिए चिंताजनक..।

मालवा निमाड़ भी बड़ी जीत

मालवा निमाड़ की आठ सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार तगड़ी लीड लेकर चुनाव जीते है। इस जीत ने साबित कर दिया कि मालवा निमाड़ भाजपा का गढ़ है। आठों भाजपा उम्मीदवारों की जीत का अंतर एक लाख से ज्यादा रहा। मालवा निमाड़ की खरगोन सीट पर सबसे ज्यादा वोटिंग 75.79 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। यहां गजेंद्र पटेल दूसरी बार चुनाव जीत है,लेकिन आठों सीटों की तुलना में उनकी सबसे छोटी जीत रही।

भाजपा के गजेंद्र पटेल एक लाख 35 हजार 18 वोटों के मार्जिन से चुनाव जीते, जबकि इंदौर लोकसभा सीट पर सबसे कम वोटिंग हुई थी। इस सीट पर 62.26 प्रतिशत मतदान हुआ, लेकिन भाजपा उम्मीदवार शंकर लालवानी की सबसे बड़ी 11 लाख 75 हजार 92 वोटों की बढ़त रही,हालांकि इंदौर में कांग्रेस को उम्मीदवार नहीं था। दूसरी बड़ी जीत मंदसौर लोकसभा में रही। यहां भाजपा की लीड 5 लाख 655 वोटों की रही। मुख्यमंत्री मोहन यादव के गृह क्षेत्र उज्जैन की लोकसभा सीट पर भाजपा के अनिल फिरोजिया भी 3 लाख 74 हजार 843 वोटों की बढ़त लेकर जीते। कांग्रेस को धार और रतलाम-झाबुआ लोकसभा सीट से काफी उम्मीदें थी, लेकिन धार सीट पर भाजपा की सावित्री ठाकुर ने तगड़ी जीत दर्ज कराई। इस सीट पर भाजपा की जीत का मार्जिन 2 लाख 11 हजार 656 रहा। रतलाम-झाबुआ सीट पर भाजपा उम्मीदवार अनिता चौहान 2 लाख 7 हजार 232 वोटों की बढ़त के साथ जीती। इन दोनो आदिवासी बाहुल्य सीटों पर भाजपा ने महिला कार्ड खेला था।

मप्र के सभी 29 नवनिर्वाचित सांसदों को दिल्ली बुलाया

नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए बुधवार को उज्जैन के महाकाल मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। इधर, मध्यप्रदेश की सभी 29 सीटों पर जीते बीजेपी के नवनिर्वाचित सांसदों को कल यानी गुरुवार को दिल्ली बुलाया गया है। सभी 29 सांसद कल शाम को दिल्ली पहुंच जाएंगे। शुक्रवार को दिल्ली में सुबह 11 बजे बीजेपी और एनडीए के सभी सांसदों की बैठक होगी। बता दें कि मध्यप्रदेश में सभी 29 लोकसभा सीटों पर बीजेपी को रिकॉर्ड जीत मिली है। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान बुधवार सुबह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलने सीएम हाउस पहुंचे। दोनों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। डॉ. मोहन यादव ने कहा, भाई साहब तो अब दिल्ली जा रहे हैं। इधर, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कांग्रेस को एकजुट रहकर तैयार करने की बात कही। छिंदवाड़ा की हार पर पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा, कांग्रेस पूरे प्रदेश में हारी है। हम समीक्षा करेंगे।

यशवंत क्लब में चुनाव की सरगर्मी, सचिव व कोषाध्यक्ष निर्विरोध चुने गए

अन्य पदों के लिए वोटिंग16 जून को

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर के प्रतिष्ठित यशवंत क्लब के चुनाव की सरगर्मी तेज हो गए है। क्लब के सचिव और कोषाध्यक्ष पर खड़े दो उम्मीदवारों के सामने किसी ने पर्चा ही दाखिल नहीं किया। सचिव पद पर संजय गोरानी निर्विरोध चुने गए।

वे पिछले कार्यकाल में भी सचिव रह चुके है। इस पद के लिए एक ही नामांकन आया था। इसके अलावा कोषाध्यक्ष पद के लिए आदित्य उपाध्याय निर्विरोध चुने गए। पेशे से सीए आदित्य भी कोषाध्यक्ष रह चुके है और उनका पिछला कार्यकाल भी बेदाग रहा। अब इन पदों के लिए चुनाव नहीं होंगे। शेष पदों के लिए 16 जून को वोटिंग होगी। यशवंत क्लब के अध्यक्ष पद पर लंबे समय तक पम्मी छाबड़ा अध्यक्ष रहे,लेकिन इस बार वे चुनाव नहीं लड़ रहे है। उन्होंने अभी तक किसी पैनल को समर्थन भी नहीं दिया है। लंबे समय तक अध्यक्ष रहने के कारण पम्मी गुट का क्लब में तगड़ा वोटबैंक है। चुनावी शेड्यूल के तहत 4 जून तक नामांकन फार्म जमा करने की तिथि थी और नाम वापसी की तिथि 11 जून है। सचिव और कोषाध्यक्ष पद के लिए एक-एक नामांकन जमा हुए,जबकि दूसरे पदों के लिए नामांकन जमा हुए है। अध्यक्ष पद के लिए वागले के अलावा टोनी सचदेवा भी मैदान में है। पूर्व सहसचिव अतुल शेठ इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे है। इस पद के लिए अश्विनी पुराणिक और विपिन कूलवाल है। विपिन कार्यकारिणी सदस्य थे,लेकिन इस बार सहसचिव पद के लिए किस्मत आजमा रहे है। कार्यकारिणी पर के पांच पदों के लिए दस उम्मीदवार मैदान में है।16 जून को क्लब के 4 हजार सदस्य शाम पांच बजे तक मतदान करेंगे। इसके बाद रात को परिणाम आएंगे। क्लब के चुनाव के लिए पार्टियों का दौर शुरू हो चुका है।

सिंहस्थ के लिए इंदौर में बनेगी एमआर-12 रोड

उज्जैन फोरलेन से एबी रोड को जोड़ेगी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर विकास प्राधिकण एमआर-12 रोड का निर्माण कर रहा है। फिलहाल टुकड़ों-टुकड़ों में दो किलोमीटर तक सड़क बनी है। बचे दस से ज्यादा किलोमीटर हिस्से का निर्माण दो साल में पूरा किया जाएगा। गुरुवार को आईडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आरपी अहिरवार ने दौरा किया और सड़क में बाधक निमार्णों को देखा। यह सड़क अरविंदो अस्पताल के आगे से बनेगी। उसका दूसरा सिरा एबी रोड पर प्रकाश पेट्रोल पंप के समीप जुड़ेगा। देवास-भोपाल की तरफ से आने वाला ट्रैफिक इस सड़क से होकर सीधे सांवेर रोड तक पहुंच सकेगा। अभी एमआर-11 लिंक रोड से एमआर-10 रोड होते हुए भारी वाहन उज्जैन की तरफ जाते है। फिलहाल कुमेर्डी वाले हिस्से में सड़क का एक हिस्सा बनाया गया है। अहिरवार ने बताया कि इस मार्ग की चौड़ाई 60 मीटर होगी। इस मार्ग पर एक रेलवे ब्रिज और कान्ह नदी पर एक ब्रिज का निर्माण भी किया जाएगा। इस सड़क के बनने से सिंहस्थ मेले के दौरान इंदौर के शहरी हिस्से में ट्रैफिक का दबाव कम हो जाएगा।

वर्ष 2021 के मास्टर प्लान में यह सड़क प्रस्तावित है। चार साल पहले भी इसके निर्माण की कवायद शुरू हुई थी, लेकिन सैकड़ों बाधक निर्माण होने के कारण तक मामला ठंडे बस्ते में चले गया।

अब सिंहस्थ मेले को देखते हुए यह सड़क बनाने का फैसला लिया गया है। इस सड़क के बनने से निरंजनपुर, लसुड़िया क्षेत्र के रियल इस्टेट मार्केट में भी तेजी आ सकती है।

पुलिस ने विद्यार्थियों ने पढ़ाया साइबर क्राइम से बचने का पाठ

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में अति. पुलिस उपायुक्त क्राइम इंदौर, पुलिस टीम के साथ नादयोग गुरुकुल बंगाली चौराहा इंदौर में पहुंचकर वहां विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। साइबर अवेयरनेस के तहत नादयोग गुरुकुल इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में एडीशनल डीसीपी क्राइम श्री राजेश दंडोतिया ने, अपनी 234 वीं कार्यशाला में करीब 120 स्टूडेंट्स को वर्तमान समय के साइबर अपराधों के प्रकारों और इनसे बचने के तरीकों को बताते हुए, पुलिस के पास आने वाली साइबर अपराधों की केस स्टडी के माध्यम से विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन फ्रॉड, फाइनेंशियल फ्रॉड तथा सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर, किस प्रकार अपराधी हमें अपना शिकार बनाते हैं आदि के बारे में से बताते हुए, साइबर अपराध होने पर इंदौर पुलिस की साइबर हेल्पलाइन 704912445 आदि पर किस प्रकार शिकायत करें तथा पुलिस इन पर किस प्रकार कार्यवाही करती है और साइबर अपराधों से बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखें आदि के संबंध में व्यवहारिक ज्ञान दिया। उन्होंने सभी से कहा कि, इस दिन प्रतिदिन बदलती नई-नई टेक्नोलॉजी से हम रोज परिचित हो रहे है। ये वर्चुअल दुनिया हमें जितनी आकर्षक लगती है उतनी खतरनाक भी है। यहां कि हमारी हर गतिविधि पर इन साइबर क्रिमिनल्स की नजर है। और आजकल तो हम अपना लगभग सारा काम ही ऑनलाइन कर रहे हैं इसलिए और ज्यादा सतर्क रहना जरूरी है। अंततः हम पूर्ण सतर्कता और सावधानी के साथ डिजिटल लेन देन, सोशल मीडिया का उपयोग करें और अपनी निजी जानकारी किसी से भी शेयर न करें।

शनि जयंती आजः इंदौर के जूनी शनि मंदिर की अनोखी है कहानी, देशभर में प्रसिद्ध है 400 साल पुरानी प्रतिमा

प्राचीन जूनी शनि मंदिर में पूरे 16 श्रृंगार के साथ रहते हैं शनि महाराज

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। कर्मों का फल देने वाले शनि महाराज में यदि आपकी अटूट श्रद्धा है तो एक बार इंदौर के प्राचीन जूनी शनि मंदिर में जरूर आएं। अकसर मंदिरों में शनि महाराज की प्रतिमा बिना किसी श्रृंगार के काले रंग की देखने को मिलती है, लेकिन यहां का नजारा बिलकुल होता है। इंदौर के प्राचीन जूनी शनि मंदिर में शनि महाराज पूरे 16 श्रृंगार के साथ विराजीत रहते हैं। 6 जून को शनि जयंती यानि ज्येष्ठ महीने की अमावस्या है। मान्यता है कि जो भी ज्येष्ठ महीने की अमावस्या के दिन शनिदेव की पूजा करता है, उस पर शनिदेव की कृपा होती है। यह इकलौता ऐसा मंदिर है, जहां शनि महाराज स्वयं पधारे थे।

सरसों का तेल नहीं... सिंदूर से श्रृंगार

मंदिर पुजारी सविता तिवारी के मुताबिक यहां प्रतिदिन प्रातः दूध और जल से शनि देव का अभिषेक किया जाता है। उसके बाद प्रतिमा को 16 श्रृंगार कराया जाता है। श्रृंगार के बाद शनि महाराज का रूप आकर्षक लगता है। यहां के शनि महाराज क्रोध और प्रकोप नहीं बल्कि खुशियों से भक्तों की झोली भर देते हैं। हमारे दादा और पिता बचपन से देखते आए हैं कि यहां शनि महाराज का सरसों के तेल से नहीं बल्कि सिंदूर से श्रृंगार करते हैं। आज भी हम उनका सिंदूर से श्रृंगार करते है। इसके साथ ही अलग-अलग तरह के स्वरूप देते है, ताकि शनि महाराज का स्वरूप और भी मनमोहक हो लगे।

महिला पुजारी के हाथ में बागडोर

वैसे तो शनि मंदिर में महिलाओं के द्वारा पूजा करने पर विरोध होता है, लेकिन, यह देश में एक ऐसा मंदिर है जहां पर महिला और पुरुषों दोनों को पूजा करने में कोई भी भेदभाव नहीं किया जाता। पुजारी का कहना हैं कि

जब दादाजी नहीं होते तो दादीजी परदा लगाकर शनि महाराज का श्रृंगार करती थी, लेकिन, कभी भी उन्हें बिना श्रृंगार रहने नहीं दिया गया। यहां पर महिलाएं न सिर्फ शनिदेव के दर्शन के लिए आती है, बल्कि तेल अर्पित करती हैं।

मंदिर को लेकर यह है मान्यता

पुजारी बताते हैं कि मंदिर के स्थान पर करीब 300-400 साल पहले 20 फीट ऊंचा एक टीला था। यहां कपड़े धोए जाते थे। एक दिन जन्मांध गोपालदास को सपने में शनिदेव ने कहा कि तुम लोग मुझ पर कपड़े धोते हो जबकि मैं तो शनि हूं, गोपालदास देखने में असमर्थ थे तो उन्होंने शनिदेव से कहा- हे प्रभु, मैं तो देखने में असमर्थ हूं। मैं आपकी प्रतिमा को कैसे देख सकता हूं। इसके बाद गोपालदास ने आंखें खोली तो उनकी आंखों की रोशनी आ चुकी थी।

इस चमत्कार को देखकर लोगों को भी यकीन हो गया। इसके बाद टीले की खुदाई गई। वहां शनिदेव की एक प्रतिमा निकली। वर्तमान में जहां प्रतिमा स्थापित है, वहां से करीब 10-12 फिट की दूरी पर शनिदेव को स्थापित किया गया था, लेकिन रात में शनि महाराज अपनी जगह पर आकर विराजित हो जाते थे। कुछ दिन ऐसा ही चलता रहा। इसके बाद उन्हें यहां स्थापित किया गया।

शहर के चार मैरिज गार्डन-कम्युनिटी हाल पर नगर निगम ने लगाए ताले

सिटी चीफ भोपाल।

लाइसेंस शुल्क और प्रापर्टी टैक्स जमा न करने पर शहर के चार मैरिज गार्डन व कम्युनिटी हाल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नगर निगम ने उनमें ताले लगा दिए है। यह कार्रवाई निगम के जोन पांच के अंतर्गत आने वाले रियाज अली काका कम्युनिटी हाल, अल कुरैशी कम्युनिटी हाल, हमीद मंजिल व गुलबाग मैरिज गार्डन पर की गई। हालांकि गुलबाग मैरिज गार्डन पर तालाबंदी करने के तुरंत बाद संचालक द्वारा पार्ट पेमेंट करने पर निगम अमले ने ताला खोल दिया। रियाज अली काका कम्युनिटी हाल के आवंटी शोएब कुरैशी द्वारा लायसेंस

शुल्क की निर्धारित किस्ते जमा न करने पर कम्युनिटी हाल पर तालाबंदी की। नगर निगम द्वारा रियाज अली काका कम्युनिटी हाल आठ लाख 52 हजार वार्षिक मान से शोएब कुरैशी को आवंटित किया गया था। इसकी किस्त जमा न होने पर इसे सील कर दिया गया। इसी प्रकार अल कुरैशी कम्युनिटी हाल अनस को आवंटित किया गया था। लायसेंस शुल्क की बकाया राशि जमा न करने पर कार्रवाई की गई। वहीं 18-सुल्तानिया रोड हमीद मंजिल भवन पर संपत्ति कर की बकाया राशि 19 लाख 49 हजार 336 रुपये भवन स्वामी आयशा बेगम व इफ्तियार खान द्वारा जमा न करने पर कार्रवाई की गई। उक्त कार्रवाई से पहले भवन स्वामियों को विधिवत देयक व नोटिस आदि जारी किए गए थे।

करोंद में इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक

बुलाने पड़े निजी टैंकर

सिटी चीफ भोपाल।

करोंद चौराहे पर स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की दुकान में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात भीषण आग लग गई। घटना रात करीब 02 बजे की है। लोगों ने दुकान से धुआं उठता देखा, तो फोन कर फायर ब्रिगेड को सूचना दी। पुलिस को भी जानकारी दी गई। जल्द ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दुकान से ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। इससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना दिए जाने के बावजूद गांधीनगर और छोला फायर स्टेशन से दमकल गाड़ियां तकरीबन एक घंटा देर बाद पहुंचीं। पुलिस ने आग बुझाने के लिए निजी टैंकरों को भी बुलवाया। आखिरकार तकरीबन तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग

पर काबू पाया जा सका।

आग की इस घटना में दुकान में रखे मोबाइल, फ्रिज, कूलर समेत लाखों का माल जलकर खाक हो गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। माना जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी होगी। गनीमत रही कि आग ने आसपास की दुकानों को चपेट में नहीं लिया, वरना नुकसान और बड़ा हो सकता था।

बकरों ने रैंप वाक कर बिखेरी छटा, मुंबई के ग्राहक ने खरीदा 27 लाख में भोपाल का किंग

सिटी चीफ भोपाल।

देशभर में 17 जून को मनाए जाने वाले ईदुज्जुहा पर्व को लेकर शहर में कुर्बानी के मवेशियों का बाजार गर्म हो गया है। इसी सिलसिले में मंगलवार रात देश का बकरों का पहला फैशन शो आयोजित किया गया, जिसमें हट्टे-कट्टे बकरे रैंप वाक करते हुए अपना जलवा बिखेरते दिखाई दिए। लांबाखेड़ा के ड्रीम गार्डन में आयोजित शो में किंग नाम का बकरा सबके आकर्षण का केंद्र रहा। यह बकरा 177 किलो का था, जिसे मुंबई के एक कारोबारी ने 27 लाख रुपये में खरीदा है।

कद-काठी में वाकई किंग

इब्राहिम गोट फार्म के मालिक

सोहेल अहमद ने बताया कि किंग को बढ़िया खुराक देते हुए पाला गया है। इसकी कद-काठी का कोई सानी नहीं। यही वजह है कि मुंबई में रहने वाले कारोबारी ओवेज कागजी ने जैसे ही इसे देखा तो उन्होंने तुरंत ऊंची बोली लगाते हुए इसे खरीद लिया। उन्होंने 27 लाख रुपये में इसे खरीदा है।

गुस्सा हो जाए तो संभालना मुश्किल

सोहेल अहमद ने बताया कि बकरों का यह किंग काजू, बादाम, पिस्ता, अंजीर और खजूर जैसे ड्राय फ्रूट्स खाता है। गर्मी से बचाने के लिए इसके चारों तरफ कूलर लगाए जाते हैं। इसे संक्रमण से बचाने के लिए टानिक से नहलाया जाता है और इसका वेक्सिनेशन भी करवाया गया है। किंग में इतनी ताकत है कि अगर गुस्सा हो जाए तो चार लोग बड़ी मुश्किल से उसको संभाल पाते हैं।

यात्रियों को सुविधा, भोपाल-सिंगरौली एक्सप्रेस अब सप्ताह में तीन दिन चलेगी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधाओं के लिए भोपाल मंडल से चलने वाली भोपाल-सिंगरौली-भोपाल एक्सप्रेस को अब सप्ताह में दो दिन की जगह तीन दिन चलने का निर्णय लिया गया है।

सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि यह निर्णय यात्रियों की बढ़ती मांग और उनकी यात्रा को और भी अधिक सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। इस विस्तार से यात्रियों को अधिक सुविधा और यात्रा के लिए अधिक विकल्प प्राप्त होंगे, जिससे उनकी यात्रा सुगम और आरामदायक होगी। ट्रेन 22165 भोपाल-सिंगरौली एक्सप्रेस 11 जून से अपने प्रारंभिक स्टेशन से बुधवार एवं शनिवार के अतिरिक्त मंगलवार को भी चलेगी। ट्रेन

22166 सिंगरौली-भोपाल एक्सप्रेस 14 जून से अपने प्रारंभिक स्टेशन से मंगलवार एवं गुरुवार के अतिरिक्त अब शुक्रवार को भी चलेगी। रेल प्रशासन द्वारा अपरिहार्य कारणों के चलते भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से होकर गुजरने वाली सीएसटीएम-अगरतला-सीएसटीएम समर स्पेशल एक-एक ट्रिप निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। 27 जून को अपने प्रारंभिक स्टेशन से चलने वाली ट्रेन 01065 सीएसटीएम-अगरतला समर स्पेशल ट्रेन निरस्त रहेगी। 30 जून को अपने प्रारंभिक स्टेशन से चलने वाली ट्रेन 01066 अगरतला-सीएसटीएम समर स्पेशल ट्रेन निरस्त रहेगी।

भोपाल लोकसभा सीट पर लोकप्रियता में सिपाही बाबूलाल से पीछे छूटे पूर्व डीजी मैथिलीशरण गुप्त

सिटी चीफ भोपाल।

लोकसभा संसदीय क्षेत्र भोपाल से सांसद की कुर्सी की दौड़ में भाजपा-कांग्रेस और बसपा के साथ ही 22 उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें एक रिटायर्ड सिपाही बाबूलाल सेन मौलिक अधिकार पार्टी से और पूर्व डीजी मैथिलीशरण गुप्त निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में शामिल थे। हार-जीत की लड़ाई भले ही भाजपा और कांग्रेस में रही हो, लेकिन लोकप्रियता में सिपाही ने पूर्व डीजी को पीछे छोड़ दिया है। जबकि डीजी इंटरनेट मीडिया के अलावा अन्य गतिविधियों की वजह से लोगों के बीच चर्चा में बने रहते हैं। वहीं, बाबूलाल का इतना कोई खास परिचय आमजन के बीच नहीं है। दोनों की हार चर्चा का विषय बनी हुई है।

डीजी मैथिलीशरण भोपाल के, तो सिपाही बाबूलाल रीवा के रहने वाले

63 वर्षीय पूर्व डीजी मैथिलीशरण गुप्त कई वर्षों से भोपाल में ही निवास कर रहे हैं। जबकि 59 वर्षीय बाबूलाल सेन ने स्वेच्छा से सेवानिवृत्ति ली है। वह अधिकांश समय रीवा में रहते हैं।

इस वजह से उनकी अपेक्षा गुप्त का वर्चस्व और नेटवर्क काफी

बड़ा है। इसके बाद भी लोकसभा चुनाव में बाबूलाल सेन को 720 मत और मैथिलीशरण गुप्त को कुल 427 मत मिले हैं। इस तरह पूर्व सिपाही ने डीजीपी से 293 मत अधिक प्राप्त किए हैं।

22 उम्मीदवार में से 19 नोटा से हारे, सभी की जमानत होगी जब्त

भोपाल सांसद कुर्सी की दौड़ में कुल 22 उम्मीदवार शामिल थे।

इनमें सें 19 ऐसे उम्मीदवार हैं, जो नोटा से ही हार गए। सिर्फ तीन ही इससे अधिक मत लेकर जीत हासिल कर सके हैं। जमानत बचाने के लिए इन उम्मीदवारों को कुल मतदान का 1.66 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करना था, लेकिन यह 318 से 3641 मत ही प्राप्त कर सके हैं।

इनमें से कोई भी न तो नोटा को हरा सका और न ही अपनी जमानत बचा सका है।

छह हजार 573 मत पाकर चौथे नंबर पर रहा नोटा

उम्मीदवारों को अपनी जमानत राशि बचाने के लिए लगभग 25 हजार मत लाना जरूरी था लेकिन भाजपा और कांग्रेस को छोड़ बाकि कोई भी इतने मत नहीं ला सका है। इसलिए उन्हें जमानत राशि नहीं मिल सकेगी। वहीं, लोकसभा चुनाव में चौथे नंबर पर सबसे अधिक मत पाकर छह हजार 573 नोटा है।

एक हजार से कम मत पर सिमटे छोटे दल के उम्मीदवार

भाजपा, कांग्रेस और बसपा को छोड़कर 10 राजनीतिक पार्टियों के उम्मीदवार भी चुनाव लड़ रहे थे। इनमें से 790 मत रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया, छत्रपति शिवाजी भारतीय गरीब पार्टी ने प्राप्त किए हैं।

जबकि बाकी अन्य पार्टियों में भारतीय शक्ति चेतना पार्टी 588, क्रांति जन शक्ति पार्टी को 575 मत मिले हैं।

कालोनाइजर पेश नहीं कर सके दस्तावेज

अब होगी कार्रवाई, अवैध कालोनियों पर लगेगी रोक

जिले में अवैध कालोनियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कलेक्टर ने एसडीएम से सर्वे शुरू कराया था। यह सर्वे चार जून तक पूरा करना था, लेकिन मतगणना की वजह से यह अटक गया। हालांकि इससे पहले 250 कालोनियां चिह्नित की जा चुकी हैं और छह अवैध कालोनाइजरों को नोटिस देकर छह जून तक दस्तावेज पेश करने का समय दिया था। अब इनके बाद सिर्फ एक दिन का समय बचा हुआ है। यदि यह दस्तावेज पेश नहीं करते हैं तो इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने एफआइआर दर्ज करने तक के निर्देश दिए हैं।

जिला प्रशासन ने सिंकदराबाद, पिपलिया जाहिरपीर, अरेड़ी, सेवनिया ओंकारा और छावनी पठार में छह कालोनियों के कालोनाइजर को नोटिस थमाया था।

लेकिन इसके बावजूद इनकी ओर सेअब तक कोई जवाब नहीं दिया है। इनमें से एक कालोनाइजर कलेक्टर न्यायालय में पेश हुआ था, लेकिन वह कोई दस्तावेज नहीं प्रस्तुत कर पाया। इस पर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने उससे प्लाट बेचने

संबंध सभी तरह के दस्तावेज पेश करने के लिए कहा, लेकिन वह वापस लौटकर नहीं आया है। अब इन सभी के खिलाफ छह जून के बाद से प्रशासन कार्रवाई करेगा।

इन कालोनाइजरों को दिए गए हैं नोटिस

एसडीएम हुजूर आशुतोष शर्मा की रिपोर्ट के आधार पर अरहेड़ी गांव में दो कालोनियां विजासेन के नाम से काटने वाले पुरुषोत्तम सिंह , नीलेश शुक्ला और मुकेश पाल को नोटिस दिए गए हैं। मुकेश ने पिपलिया में भी बिना अनुमति अवैध कालोनी काटी है। ग्राम ओंकारा सेवनिया में अवैध कालोनी काटने वाले विनोद यादव, छावनी पठार में अनुज साहू और सिकंदराबाद में हेमंत गड़गैया और सुनील प्रसाद को नोटिस दिए गए हैं।

इनका कहना है

शहर में 250 अवैध कालोनियों को चिह्नित किया जा चुका है। सभी को नोटिस देकर दस्तावेज पेश करने का समय दिया जा रहा है। अभी तक छह कालोनाइजरों को समय दिया था, लेकिन एक ने भी अनुमति के दस्तावेज पेश नहीं किए हैं। शहरी क्षेत्र में नगर निगम और ग्रामीण क्षेत्र में जिला प्रशासन इन अवैध कालोनियों पर अब कार्रवाई शुरू करेगा।

– कौशलेंद्र विक्रम सिंह, कलेक्टर, भोपाल

बैतूल का शातिर चोर गिरफ्तार

सूने मकान से सोना चोरी कर रखता था बैंक में रखता गिरवी

सिटी चीफ भोपाल।

रातीबड़ पुलिस ने करीब पांच दिन पहले बैतूल के एक शातिर चोर प्रताप मंडल को गिरफ्तार किया था, यह चोर सूने मकानों में चोरी करने के बाद सोने को ज्वेलर और बैंक के पास गिरवी रखकर ठिकाने लगा देता था। आरोपित की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने पांच चोरी की वारदात को राजफाश कर करीब एक कार, दो बाइक समेत करीब 15 लाख का सामान बरामद किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि पुलिस ने चोरी का सोना खरीदने और गिरवी रखने वाले ज्वेलर्स और बैंक पर कोई कार्रवाई नहीं की है। रातीबड़ थाना पुलिस के मुताबिक सितंबर 2023 से लेकर नवंबर 2023 तक लगातार चोरी की वारदात हो रही थी, उसकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज की जा रही थी। आरोपितों की तलाश के लिए पुलिस अपने स्तर पर लगी थी, तभी सूचना मिली कि इस चोरी में बैतूल का चोर प्रताप मंडल सक्रिय है और वह वारदात के समय घटनास्थल के आसपास देखा गया था। उसका ठिकाना फिलहाल भोपाल का कोलार इलाका है। इसी दौरान उसके बंजारी स्थित किराये के मकान की जानकारी मिली और उसे हिरासत में लेकर कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई । पुलिस की पूछताछ में उसने पांच चोरी की वारदात कबूल की । उसके पास से एक कार , दो बाइक और 15 लाख रुपये का चोरी का सामान जब्त कर लिया गया है।

पांच साल से ठिकाना था भोपाल

पुलिस पूछताछ में निवासी ग्राम शांतिपुर थाना चौपना जिला बैतूल 26 वर्षीय प्रताप मंडल ने बताया कि वह पांच साल से भोपाल में चोरी की वारदात कर रहा है।

उस पर करीब दर्जनभर से ज्यादा चोरी के अपराध दर्ज हैं। वह बैतूल से अपने साथी भूरा मंगल उर्फ राम उज्जैनवार और सागर करोसिया को बुलाकर रात के समय रैकी कर सूने मकान से चोरी करता था। इधर, पुलिस ने आरोपित के पास से सोने का एक मंगलसूत्र , सोने का रानी हार , दो सोने की चेन, एक जोड़ी चांदी की पायल, बच्चे की सोने की एक हाय व लॉकेट, प्लास्टिक के ऊपर चढ़ी हुई सोने की दो टूटी चूड़ियां , दो सोने की अंगूठियां , बच्ची की कान की बाली समेत करीब 15 लाख का चोरी का माल बरामद किया ।

सुनार और फाइनेंस कंपनी को छोड़ा

शातिर चोर प्रताप मंडल ने चोरी का सामान एक निजी फाइनेंस कंपनी और सुनार के पास गिरवी रख दिया था। बाद में जब चोर पुलिस के हाथ लगा तो पुलिस ने सुनार और फाइनेंस कंपनी के लोगों को थाने बुलवाया और पूछताछ कर छोड़ दिया था। जब पुलिस सूत्रों का कहना है कि पुलिस ने फाइनेंस कंपनी और सुनार के पास से चोरी का माल बरामद किया था।

सम्पादकीय

लोकसभा चुनाव के नतीजे जनता ने दिया सरप्राइज

पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पास इतनी भी सीटें नहीं थीं कि वह सदन में विपक्ष का आधिकारिक दर्जा हासिल कर सके। लेकिन, कांग्रेस ने वापसी कर जाहिर कर दिया कि देश में BJP को टक्कर देनी है तो उसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। एग्जिट पोल के अनुमानों के बाद आए लोकसभा चुनाव के नतीजों ने जरूर कई लोगों को चौंकाया होगा। नतीजों ने बताया कि राजनीतिक पंडित कितने भी गुणा-गणित और विश्लेषण कर लें, कई बार वे जनता का मूड भांपने में गलती कर जाते हैं। इनमें भी सबसे अधिक हैरान किया 80 सीटों वाले यूपी ने। 2014 और 2019 में क्ष्छ्क को केंद्र की सत्ता तक पहुंचाने में इस राज्य ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई थी। इस बार यहां BJP और I.N.D.I.A. में करीब-करीब बराबरी का मुकाबला दिखा, जिसकी उम्मीद शायद ही किसी को थी। बिहार, कर्नाटक और बंगाल में भी BJP को नुकसान उठाना पड़ा। इनमें से बिहार और कर्नाटक में पार्टी ने पिछले चुनावों में बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया था। इन चुनावों में कई रीजनल पार्टियों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इसी तरह NDA के घटक दलों को भी नई ऑक्सिजन मिली है। उनकी बारगेनिंग पावर बढ़ गई है। एग्जिट पोल्स में अकेले BJP को पूर्ण बहुमत मिलता दिखाया गया था। अगर ऐसा होता तो नरेंद्र मोदी भारतीय इतिहास के इकलौते राजनेता बन जाते, जिनके नेतृत्व में हर जीत पहले से बड़ी होती गई। लेकिन, चुनाव परिणाम इकतरफा नहीं रहा। NDA और I.N.D.I.A. दोनों के पास जश्न मनाने के लिए कुछ न कुछ है।

सीटों के लिहाज से BJP को भले ही नुकसान हुआ, लेकिन लगातार तीसरी बार वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। ओडिशा और तेलंगाना में पार्टी ने प्रदर्शन से सबको सरप्राइज किया। ओडिशा में लोकसभा ही नहीं, विधानसभा में भी पार्टी ने बीजू जनता दल का 24 साल से चला आ रहा वर्चस्व तोड़ा। वहीं, गुजरात और मध्य प्रदेश क्ष्छ्क के गढ़ बने हुए हैं, जबकि देश की सियासत में अब भी ब्रैंड मोदी सबसे बड़ा है।

पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पास इतनी भी सीटें नहीं थीं कि वह सदन में विपक्ष का आधिकारिक दर्जा हासिल कर सके। लेकिन, कांग्रेस ने वापसी कर जाहिर कर दिया कि देश में BJP को टक्कर देनी है तो उसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। इस चुनाव में कांग्रेस ने कई जगह गठबंधन में छोटे भाई की भूमिका निभाई। लेकिन, I.N.D.I.A. को जितनी सीटें मिलीं, उससे पार्टी का कद जरूर बढ़ेगा।

शरद पवार का राजनीतिक वारिस कौन और असली शिवसेना किसकी? क्या माया और ममता अब भी ताकतवर हैं? यह चुनाव ऐसे ही कई सवालों के साथ शुरू हुआ था। इनमें से कुछ के जवाब मिल गए हैं और कुछ के बाकी हैं। जिस तरह के नतीजे आए हैं, उससे यह संदेह भी पैदा हुआ है कि क्या देश में आर्थिक सुधार जारी रहेंगे? नीतिगत स्थिरता का क्या होगा? शायद इसी संदेह की वजह से शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। आशा है कि इन सवालों का जवाब आने वाले कुछ दिनों में मिल जाएगा, लेकिन नतीजों से यह भी तय है कि देश की राजनीति ने एक करवट ले ली है।

उत्तर प्रदेश ने खेल पलट दिया अखिलेश ने अपने दम पर रोक दिया भाजपा का रथ

उत्तर प्रदेश ने खेल पलट दिया। अखिलेश ने भाजपा का रथ रोक लिया। अगर भाजपा को रोकने का श्रेय किसी एक राजनेता को जाता है, तो वह अखिलेश यादव ही हैं। पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और कर्नाटक में तो लड़ाई प्रत्याशित थी। लेकिन उत्तर प्रदेश के नतीजे अप्रत्याशित रहे। भाजपा को भनक भी नहीं लग सकी कि उसके पैरों के तले चुनावी जमीन खिसक चुकी है। उत्तर प्रदेश के नतीजे भारतीय राजनीति के बारे में रोमांचक निष्कर्ष दे रहे हैं। प्रदेश में भाजपा की पूरी रणनीति, जातीय रसायन और योगीराज का करिश्मा फेल हो गया। भाजपा की रणनीतिक रूल-बुक का कोई भी पैंतरा कारगर साबित नहीं हुआ। संविधान बदलने का आरोप और आरक्षण छिनने का डर ही अति पिछड़ी व दलित जातियों के भाजपा से मोहभंग का कारण बना। दरअसल, पार्टी से ज्यादा उम्मीदवारों के प्रति सत्ता विरोधी लहर थी। जो उम्मीदवार बदले गए, उनके नतीजे बेहतर थे। लेकिन तीसरी बार लड़ाए गए तीस में से छब्बीस उम्मीदवारों को हार का स्वाद चखना पड़ा। नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति के महानायक हैं। यह चुनाव उन्हीं के पक्ष व विरोध में हुआ। उनकी विजय यात्रा का इंजन उत्तर प्रदेश में बना है, लेकिन उनके होते हुए इस बार उनका अपना चुनावी गृह राज्य हाथ से निकल गया। बुलडोजर बाबा के नाम से देश में विख्यात योगी आदित्यनाथ देखते रह गए। उनके जादू का क्या हुआ? सवाल पेचीदा है। नतीजों को खंगालते हुए ऐसा लगाता है कि शायद ही उत्तर प्रदेश में भाजपा की रणनीति अतिआत्मविश्वास या आत्ममुग्धता पर केंद्रित थी। प्रत्याशी और महानायक के बीच संतुलन नहीं बैठा। प्रत्याशियों से जनता की नाराजगी भारी पड़ी। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने अमित शाह के नेतृत्व में 2014 में एक जातीय रसायन बनाया था, जिसमें गैर यादव पिछड़ों के साथ छोटी-छोटी अति पिछड़ी जातियां कुर्मी, पाल, राजभर, कुम्हार, निषाद, मिर्धा आदि भाजपा के लिए गोलबंद हुई थीं। भाजपा के परंपरागत वोटबैंक के अलावा यह अनोखा ध्रुवीकरण था। इस बार यह गठजोड़ टूटा। उत्तर प्रदेश के जातीय गणित में ये छोटी जातियां कितनी मूल्यवान हैं, इसे अखिलेश यादव ने पहचाना। समाजवादी पार्टी ने टिकट वितरण में उन स्थानीय जातियों को चुना, जिनकी मदद से एक नई इंजीनियरिंग बनी। भाजपा ने इस गणित की अनदेखी की। अखिलेश दलित और पिछड़ों को यह समझाने में सफल रहे कि संविधान बदलेगा और अगर संविधान बदला, तो आरक्षण खत्म हो जाएगा। इसके अलावा एक लाख रुपये सीधे खाते में आने के वादे ने भी लोगों को आकर्षित किया। युवा और पढ़े-लिखे दलितों में यह अभियान घर कर गया और पहली दफा बसपा के दायरे से बाहर निकलकर इस समूह ने 'इंडिया' गठबंधन को वोट किया। यह ध्रुवीकरण एकतरफा था। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के लिए विख्यात उत्तर प्रदेश में जातीय मतों का ऐसा परिवर्तन होगा, यह भाजपा ने भी नहीं सोचा था। इंडिया गठबंधन का अभियान आक्रामक था। मतदाताओं से बातचीत में इसे भांपना कठिन नहीं था कि संविधान बदलने और आरक्षण खत्म होने की आशंकाओं ने मतदाताओं को प्रभावित किया। उत्तर प्रदेश में बेरोजगार युवा प्रत्यक्ष तौर पर पहले से आंदोलित थे। पेपर लीक पर उनकी अंतर्निहित नाराजगी को शायद भाजपा भी नहीं समझ सकी। ग्रामीण इलाकों में आवारा पशुओं का कहर, महंगाई और बेरोजगारी मुफ्त अनाज पर भारी पड़ी। दशकों बाद उत्तर प्रदेश में शून्य लहर का चुनाव था। न मंदिर मुद्दा था, न हिंदुत्व। राष्ट्रवादी मुद्दे भी कहीं दिखाई नहीं दे रहे थे। सिर्फ जातियों की गोलबंदी और उम्मीदवार केंद्रित यह चुनाव था। अयोध्या, फैजाबाद में जहां 500 वर्ष की हिंदू भावनाओं का शिखर मंदिर बनकर तैयार हुआ, जो देश में मुख्य मुद्दा बना, वहीं भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। पार्टी के भीतर एक संशय और अविश्वास की खाई पूरे चुनाव के दौरान दिखी। गुजरात से शुरू हुआ राजपूतों का विरोध, वह गुजरात में तो ठंडा पड़ गया, पर उत्तर प्रदेश आते-आते सघन हुआ। राजपूत बिरादरी का अनमनापन गाजीपुर आते-आते विरोध में बदल गया। मुख्यमंत्री की ओर से इसे रोकने का कोई उपाय नहीं हुआ। पार्टी ने कमोबेश ऐसी ही स्थिति 1998 में देखी थी, जब कल्याण सिंह पार्टी में रहते हुए अटल बिहारी वाजपेयी से अपने विरोध के कारण चुनाव के प्रति उदासीन हो गए थे और तब भी पार्टी उत्तर प्रदेश में 35 पर सिमट गई थी। इस बार भी पार्टी के भीतर हार के कुचक्र रचे गए। इसे आप कल्याण सिंह पार्ट-2 कह सकते हैं।

जनादेश: जनता क्या चाहे... कि सुनी जाए उसके भी मन की छोटी सी बात, पर नेता यहां कर जाते हैं चूक

लोकतंत्र का जादू 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों में अभिव्यक्त हुआ है। यह जनादेश दरअसल एक ऐसे अभियान से उपजी आशंकाओं का प्रतिबिंब है, जो विचारों पर कम और पहचान व विचारधारा पर अधिक केंद्रित रहा। यह जनादेश कई अनुभवों का मिला-जुला रूप है। इसमें उन माता-पिता के अनुभव शामिल हैं, जिन्होंने अपने बच्चों को इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाने के लिए लाखों रुपये खर्च किए, फिर भी अपने बच्चों को नौकरी के लिए संघर्ष करता हुआ देख रहे हैं। उन लोगों का अनुभव, जिन्होंने महामारी के दौरान अपने प्रियजनों को खो दिया। उन लोगों का अनुभव, जो सब्जियों व ईंधन की बढ़ती कीमतों के बावजूद सीमित आय से अपना घर चलाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। उन किसानों का अनुभव जो खेती की बढ़ती लागत और खेतों से होने वाली आय में गिरावट का सामना कर रहे हैं और उन भाई-बहनों का अनुभव भी शामिल है, जो पेपर लीक का शिकार हुए।

यह जनादेश राजनेताओं को अंतर्दृष्टि देता है, तो सवाल भी पूछता है। चुनाव अभियान के दौरान तीन बच्चों की मां ने पूछा, %क्या मुझे इस तथ्य पर वोट देना चाहिए कि डेढ़ हजार रुपये मेरे खाते में आ रहे हैं, या इस पर कि मेरा बेटा व बेटी दोनों बेरोजगार हैं।% देश की जनता ने एक शानदार फैसला सुनाया है। वर्ष 2004 में चुनावी नतीजों के तुरंत बाद लालकृष्ण आडवाणी ने जनादेश की राज्य के जनादेशों के सामूहिकीकरण के तौर पर परिभाषित किया था। इस तरह से देखें, तो 2024 के चुनावी नतीजे एक तरह से आय के पिरामिड के सबसे निचले स्तर पर स्थित लोगों की, जो सरकारी योजनाओं पर निर्भर भी हैं, गंभीर हताशाओं के समूह भी हैं। भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार किया और कई राज्यों ने भी महिलाओं की आय में मदद करने वाली योजनाएं शुरू कीं। उल्लेखनीय है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम, सबसे बड़ी स्वास्थ्य देखभाल योजना, सबसे बड़ा किसान सहायता कार्यक्रम, सबसे बड़ी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना और सब्सिडी वाली आवास योजना चलाता है।

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल-सबसे ज्यादा सीटों वाले जिन राज्यों के नतीजों में भाजपा की संख्या में गिरावट दिखी, वह दरअसल यहां के उन लोगों की अधूरी इच्छाओं का समूह ही है, जो आजीविका कमाने की अपनी क्षमता में सम्मान और पहचान चाहते हैं। पिछले तीन साल में हुए हर जनमत सर्वे में बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे को रेखांकित किया गया। भाजपा ने विभिन्न स्रोतों के आंकड़ों का इस्तेमाल किया और तर्क दिया कि नौकरियां पैदा हो रही हैं। नौकरियां पैदा हो रही हैं, इससे कोई इन्कार नहीं है, लेकिन उसी तरह इससे भी इन्कार नहीं किया जा सकता कि जो नौकरियां हैं, वे पर्याप्त नहीं हैं। सबसे बुरी बात यह है कि केंद्र व राज्यों में तीस लाख से ज्यादा सरकारी पद खाली हैं, जो बेरोजगारी को लेकर तमाम शिकायतों के बावजूद भरे नहीं गए हैं। आय व रोजगार क्षेत्र की कमजोर वृद्धि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों में भी दिखती है। यह सच है कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। यह भी सच है कि इस वृद्धि ने बीते मई में शेयर बाजार को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। लेकिन यह भी सच है कि जब हमारी अर्थव्यवस्था आठ फीसदी से ज्यादा की दर से बढ़ रही है, निजी अंतिम खपत, जो उपभोक्ताओं की उपभोग करने की क्षमता और इच्छा की माप है, महज चार फीसदी की दर से बढ़ रही है। यह समृद्धि और अभाव के बीच के अंतर का प्रतिबिंब है। भारत के लिए चुनौतियों और अवसरों को रेखांकित करने वाला महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि देश का 45 फीसदी कार्यबल कृषि में लगा है और यह इतनी बड़ी आबादी राष्ट्रीय आय के महज छठे हिस्से पर निर्भर है। यह वास्तविकता राज्यवार वास्तविक प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों में परिलक्षित होती है। तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय तीन लाख रुपये से ज्यादा है, जबकि उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय 80 हजार रुपये से कम, तो बिहार की 55 हजार रुपये से भी कम है। जिलेवार आंकड़ों में यह अंतर अधिक स्पष्ट होता है। बिहार के शिवहर में प्रति व्यक्ति आय 18,692 रुपये है। एक के बाद एक आने वाली सरकारों ने कृषि में संलग्न लोगों को बेहतर आय वाली नौकरियों में स्थानांतरित करने के लिए नौकरियां पैदा करने के पवित्र वादे तो किए, लेकिन वे सभी पूरे नहीं हुए। ऐसे में, ताजा चुनावी नतीजे सरकारों को याद दिलाते हैं कि मतदाता बदलाव के लिए धैर्य रख सकते हैं, लेकिन उन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता। चुनाव से कुछ समय पहले एक बुजुर्ग की एक टिप्पणी मुझे याद आ रही है। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या %400 पार% की कहानी असली है? उन्होंने जवाब के लिए इंतजार नहीं किया और कहा कि विपक्षी दल इस सरकार को नहीं हरा सकते, लेकिन देश की जनता को हल्के में मत लीजिए, वह सही समय पर बोलेगी। लोगों ने दरअसल जो दिख रहा था और राजनीतिक दलों की जो मंशा थी, उस पर बात की। दिवंगत अरुण जेटली ने कहा था कि चुनाव केवल %गणित% नहीं, बल्कि %केमिस्ट्री% के बारे में भी होते हैं। इस चुनाव में कई राजनीतिक दल केमिस्ट्री को भूलकर जाति और नकद के गणित का सहारा लेने में लगे रहे। फैजाबाद के रूप में भाजपा को वह सीट खोनी पड़ी, जहां अयोध्या स्थित है। यह बताता है कि केवल आस्था नहीं, बल्कि बेहतर भविष्य की आशा है, जो ईवीएम पर बटन दबाती है। राजनीतिक दलों ने दूसरे दलों व नेताओं के बीच केमिस्ट्री के बारे में बात तो की, लेकिन लोगों के साथ बेहतर केमिस्ट्री बनाने में चूक की। यह जनादेश जनमत की व्यापक लामबंदी और संगठनात्मक ताकत के बारे में भी है। जमीनी स्तर पर राजनीतिक दलों ने चतुर चालें चलों तो गलतियां भी कीं। चुनाव का विश्लेषण होगा, तो जातियों, प्रत्याशियों और साजिशों पर भी बात होगी। लेकिन सबसे ज्यादा मायने रखती है राजनीतिक दलों की अपनी शिकायतें सुनने और उनके समाधान ढूंढने की क्षमता। जनता बड़े-बड़े दावे नहीं सुनना चाहती, वह तो सिर्फ यह चाहती है कि उसकी भी सुनी जाए और यही इस जनादेश का सबसे बड़ा सबक है।

बदलाव का पहिया घूम गया है, व्यक्तिगत आस्था और राजनीतिक व्यवहार में अंतर करना जान गए हैं मतदाता

वर्ष 2024 के जनादेश में सबके लिए कुछ न कुछ है, पर सबसे बड़ा श्रेय राहुल गांधी, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे, ममता बनर्जी एवं शरद पवार को जाता है। इन लोगों की एकजुटता ने %इंडिया% गठबंधन को भारी ताकत दी। लेकिन नरेंद्र मोदी, भाजपा, राजग और बड़बोले मीडिया के एक वर्ग को स्तब्ध कराने के बाद विपक्षी दलों को आत्मचिंतन करके यह सोचना चाहिए कि %क्या होता अगर% उन्होंने कुछ और मेहनत की होती!

कांग्रेस और %इंडिया% गठबंधन को निश्चित रूप से इस लोकसभा चुनाव में, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश और ओडिशा में चूके हुए अवसरों पर पछतावा हो रहा होगा, जहां वे मौन या रणनीतिक गठबंधन नहीं कर सके। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब %इंडिया% गठबंधन का हिस्सा थे, तो उन्होंने भुवनेश्वर का दौरा करके नवीन पटनायक से %इंडिया% गठबंधन में शामिल होने का आग्रह किया था, पर नीतीश कुमार के स्वयं राजग का हिस्सा बनने के बाद बीजद के साथ बात आगे नहीं बढ़ सकी। जब नतीजे आए तो भाजपा-राजग ने राज्य में भारी संख्या में सीटें हासिल कर लीं, जिससे वे बहुमत के करीब पहुंच गए।

1980 के दशक से ही गठबंधन राजनीति में आंध्र प्रदेश और तेदेपा ने ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 1984 में तेदेपा लोकसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी थी। अभिनेता से राजनेता बने चंद्रबाबू नायडू के श्वसुर एनटी रामाराव राष्ट्रीय मोर्चा के संयोजक बने थे और विश्वनाथ प्रताप सिंह को 1989 में प्रधानमंत्री बनने में मदद की थी। 1989 में राष्ट्रीय मोर्चा-वाम मोर्चा सरकार को भाजपा बाहर से समर्थन कर रही थी। वर्ष 1996 में जब संयुक्त मोर्चा की सरकार बनी, तो चंद्रबाबू ने किंगमेकर की भूमिका निभाई, जब एचडी देवगौड़ा एवं आईके गुजराल प्रधानमंत्री बने। इस उथल-पुथल भरे दौर में दो बार नायडू को प्रधानमंत्री पद की पेशकश की गई, लेकिन दोनों बार उन्होंने इन्कार कर दिया। मसलन, आंध्र प्रदेश में मुश्किल से एक प्रतिशत वोट शेयर वाली भाजपा ने तेलुगू देशम पार्टी और जन सेना को अपने साथ जोड़कर बेहतर प्रदर्शन किया है।

इसके विपरीत, जगन मोहन रेड्डी के शुरुआती वर्षों में कांग्रेस से जुड़े होने के बावजूद %इंडिया% गठबंधन को कोई दोस्त नहीं मिला। जगन रेड्डी के साथ कांग्रेस के अलगाव की अलग कहानी है। जगन से समझौते या पहल करने के बजाय कांग्रेस नेतृत्व ने उनकी बहन शर्मिला को राज्य में पार्टी प्रमुख के रूप में आगे बढ़ाया। आंध्र प्रदेश में कांग्रेस का वोट प्रतिशत मामूली रहा होगा, जो संसदीय चुनाव में वाईएसआरसीपी को नुकसान पहुंचाने के लिए पर्याप्त था। भाजपा और राजग को इसका सीधा लाभ मिला। उत्तर प्रदेश में परिवर्तन का चक्र तेजी से घूमा।

अखिलेश यादव 2024 के सबसे बड़े स्टार हैं। अयोध्या में भाजपा उम्मीदवार की हार बताती है कि मतदाता व्यक्तिगत आस्था और राजनीतिक व्यवहार के बीच अंतर करना जानते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की भूमिका का विशेष रूप से उल्लेख करना जरूरी है। खरगे ने सहयोगियों एवं संभावित सहयोगियों से बातचीत करने के लिए अथक परिश्रम किया। दूसरी ओर, भाजपा ने कई रणनीतिक गलतियां कीं। राजस्थान में वसुंधरा राजे सिंधिया और कई अन्य राज्यों में क्षेत्रीय क्षत्रपों को हाशिये पर रखने की उसे भारी कीमत चुकानी पड़ी। इसके अलावा अंतिम समय में उम्मीदवारों के चयन में बदलाव तथा चुनाव प्रचार में ध्रुवीकरण ने नुकसान पहुंचाया। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी पर अत्यधिक निर्भरता ऐसी चीज है, जो भाजपा को लंबे समय तक परेशान करेगी। इस साल अक्तूबर में हरियाणा और महाराष्ट्र में होने वाले चुनावों की संभावना भाजपा के लिए दुःस्वप्न पैदा कर सकती है।

कानूनी पेंच में फंसती दिख रही अन्नू कपूर की 'हमारे बारह', बॉम्बे हाईकोर्ट ने रिलीज पर लगाई रोक

अन्नू कपूर की फिल्म 'हमारे बारह' मुश्किलों में फंसती हुई नजर आ रही है। अब उनकी फिल्म की रिलीज डेट टाल दी गई है। इस फिल्म को 7 जून को रिलीज किया जाना था, लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट ने 14 जून तक इसकी रिलीज पर रोक लगा दी है। दरअसल, जस्टिस नितिन बोरकर और कमल खता की अवकाश पीठ ने अजहर तंबोल की याचिका पर सुनवाई की, जिसमें सोशल मीडिया पर फिल्म के ट्रेलर में दिखाए गए कुछ संवादों पर आपत्ति जताई गई थी।

ट्रेलर पर सीबीएफसी का नियंत्रण नहीं इस मामले में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन ब्यूरो (सीबीएफसी) ने पीठ से कहा कि वह फिल्म को प्रमाण पत्र जारी करता है और यूट्यूब पर जारी किए गए फिल्म के ट्रेलर पर उसका कोई नियंत्रण नहीं है। बता दें कि याचिका में फिल्म निर्माताओं द्वारा यूट्यूब पर प्रसारित किए गए दो ट्रेलरों पर आपत्ति जताते हुए कहा गया कि इससे उनकी भावनाओं को ठेस पहुंची है।

फिल्म से हटा दिए गए हैं ये दृश्य सीबीएफसी की ओर से अद्वैत सेठना ने कहा कि आठ सदस्यीय समिति द्वारा फिल्म की कई स्तरों पर जांच की गई है। समिति द्वारा कुछ संशोधन सुझाए गए थे, जिनका अनुपालन किया गया है। सेठना ने कहा कि बदलाव के बाद ही फिल्म को यू/ए प्रमाण पत्र जारी किया गया। फिल्म में कुछ संवादों पर आपत्तियों के बारे में अदालत के सवाल पर सेठना ने कहा कि फिल्म निर्माताओं ने उन्हें हटा दिया है। इस पर पीठ ने पूछा कि अगर सीबीएफसी ने संवाद हटवा दिए हैं, तो याचिकाकर्ता ने उन्हें कैसे देखा? आप किस आधार पर कह रहे हैं कि ये संवाद हटा दिए गए हैं? इस पर सेठना ने कहा कि इंटरनेट पर जारी किए गए ट्रेलर पर सीबीएफसी का नियंत्रण नहीं है। उन्होंने बताया कि टिकट बुकिंग ऐप पर जारी किए गए बाद के ट्रेलर में वे संवाद नहीं थे।

रिलीज डेट टली याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने फिल्म की रिलीज एक सप्ताह के लिए टाल दी और सीबीएफसी से अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई के लिए 10 जून की तारीख तय की है। बता दें कि फिल्म के निर्माताओं और क्रू ने 24 मई को वर्सोवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें अज्ञात व्यक्तियों से सोशल मीडिया के जरिए लगातार जान से मारने और बलात्कार की धमकियां मिल रही हैं।

दो साल में चौथी बार जेनिफर लोपेज का ओटीटी पर दबदबा, अब तक इतने करोड़ लोग देख चुके एटलस

जेनिफर लोपेज स्ट्रीमिंग पर धमाल मचा रही हैं। उनकी साइंस-फिक्शन फिल्म एटलस ने करीब 60 मिलियन वैश्विक व्यूज का आकांड़ा छू लिया है। नेटफ्लिक्स की ये फिल्म लगातार दूसरे हफ्ते में स्ट्रीमर की टॉप 10 फिल्म चार्ट में नंबर 1 पर है।

भाजपा का समर्थन न करने पर अयोध्या के मतदाताओं पर भड़के सोनू निगम? जानें मामले से जुड़ी पूरी सच्चाई

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों ने सभी को चौंका दिया है। लोगों को सबसे यादा आश्चर्य उत्तर प्रदेश के अयोध्या के नतीजों को देखकर हो रहा है। अयोध्या में बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जाने-माने गायक सोनू निगम की बीजेपी की इस हार पर टिप्पणी वायरल हो रही है, जिसे लेकर उन्हें खूब ट्रोल भी किया जा रहा है। अब इस मामले में सोनू निगम ने सोशल मीडिया यूजर्स और कुछ मीडियाकर्मियों की आलोचना की है। साथ ही इस मामले पर अपनी सफाई दी है। दरअसल, लोकसभा चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद सोनू निगम के नाम वाले एक अन्य यूजर सोनू निगम सिंह ने एक्स पर जाकर भाजपा का समर्थन न करने के लिए यूपी के मतदाताओं की आलोचना की। यह पोस्ट तब चर्चा में आया जब लोगों ने मान लिया कि इस मामले पर टिप्पणी करने वाला व्यक्ति गायक सोनू निगम हैं। सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, जिस सरकार ने पूरे अयोध्या को सुंदर बनाया, नया एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन दिया, 500 साल बाद राम मंदिर बनाया, मंदिर अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से खड़ा किया, उस पार्टी को अयोध्या सीट के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। शर्मनाक है अयोध्यावासियों! इसे लेकर मीडिया के एक वर्ग ने कहा कि ये पोस्ट गायक सोनू निगम का है। सोनू निगम ने इस पर कहा कि उन्होंने इस विषय पर कोई टिप्पणी नहीं की। साथ ही कहा कि यही कारण था कि उन्होंने सात साल पहले एक्स छोड़ दिया था। गायक ने कहा, यह ऐसी ही घिनौनी हरकत है, जिसकी वजह से मुझे सात साल पहले ट्विटर छोड़ना पड़ा था। मैं राजनीतिक टिप्पणी करने में विश्वास नहीं रखता और मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता हूं। मगर यह घटना चिंताजनक है, सिर्फ मेरे लिए ही नहीं, बल्कि मेरे परिवार की सुरक्षा के लिए भी। इसके साथ ही सोनू ने यह भी बताया कि उनकी टीम ने इस तरह के भ्रम से बचने के लिए सोशल मीडिया यूजर से ऑनलाइन अपना नाम बदलने के लिए संपर्क किया है। उन्होंने कहा, यह यूजर कुछ समय से ऐसा कर रहा है। मेरे फैंस द्वारा मुझे अक्सर उसके ट्वीट के स्क्रीनशॉट भेजे जाते हैं। मेरी टीम ने उससे संपर्क किया और जोर देकर कहा कि वह अपना हैंडल नाम ठीक करे और मेरा नाम लेना बंद करे, क्योंकि मेरे उपनाम के इस्तेमाल से लाखों लोग गुमराह हो रहे हैं। मुझे यकीन है कि हम इसे ठीक करने का कोई रास्ता निकाल लेंगे।

काजोल से अपनी तुलना को लेकर तनीषा नहीं होती हैं परेशान

बोलीं- लोगों को यही करना पसंद है

फिल्म अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी बॉलीवुड की सुपर स्टार काजोल की बहन हैं। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन उन्हें वह सफलता नहीं मिली जो काजोल को मिली है। तनीषा पिछले दिनों रियलिटी शो झलक दिखला जा में नजर आई थीं। इस शो में दर्शकों को तनीषा का एक अलग अंदाज देखने को मिला था। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान तनीषा खुलकर अपने करियर और काजोल से अपनी तुलना के विषय में बातें करती नजर आईं।

मुझे फर्क नहीं पड़ता तनीषा मुखर्जी बॉलीवुड एक फिल्मी परिवार से आती हैं। उनकी बहन काजोल के अलावा उनकी मां तनुजा भी एक दिग्गज कलाकार हैं। तनीषा ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे एक ऐसी जिंदगी मिली है जहां मैं आराम से अपनी मर्जी से जी रही हूं। मुझे जो कुछ भी चाहिए वह मिला और मुझे इसके लिए काम पड़ा। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि लोग मेरी तुलना काजोल करते हैं।

मैं खुश और संतुष्ट हूं तनीषा मुखर्जी अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, हर किसी की अपनी एक यात्रा होती है। मेरा करियर काजोल के करियर से काफी अलग है। मैं जानती हूं मेरा करियर उतना अ'छा नहीं है जितना काजोल का है और मैं इस बात से दुखी नहीं हूं। मुझे पता है उन्होंने 16 साल की उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने कितनी मेहनत की है इसकी गवाह मैं हूं।

काजोल मां जैसी हैं अपनी मां तनुजा और काजोल के बारे में बातें करते हुए तनीषा कहती हैं, मैं और मेरी एक अलग किस्म का बांड साझा करते हैं। मैं और मेरी मां दोस्त जैसे रहते हैं। मुझे पता ही नहीं चला काजोल भी कब बड़ी बहन से मेरी मां जैसी हो गईं। वे मुझे लेकर काफी प्रोटेक्टिव हैं और जैसी की सभी माएं होती हैं वैसे ही वे भी थोड़ी सख्त हैं।

सितारों की महंगी फरमाइश से बढ़ रहा फिल्मों का बजट? लागत और रेवेन्यू पर अनुराग कश्यप की दो टूक

फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने फिल्मों के बजट और रेवेन्यू को लेकर खुलकर बात की है। निर्देशक का कहना है कि बॉलीवुड में फालतू खर्च काफी होते हैं। इसके अलावा फिल्में इसलिए भी महंगी हो गई हैं क्योंकि सितारों की मांग बहुत बढ़ गई है। कश्यप ने कलाकारों की बड़ी मांगों पर हमला बोला है। साथ ही लोगों को संपूर्ण रियलिटी चेक देते नजर आए हैं। एक हालिया इंटरव्यू में अनुराग कश्यप ने कहा, लोगों को एक बात समझने की जरूरत है कि जब हम एक फिल्म बनाते हैं, तो हम काम कर रहे होते हैं, हम कुछ बना रहे होते हैं। यह कोई छुट्टी नहीं है, यह कोई पिकनिक नहीं है। फिल्म बनाने में बहुत सारा पैसा खर्च नहीं होता। यह सामान में चला जाता है। यह दल में चला जाता है। आप जंगल के बीच में शूटिंग कर रहे हैं, लेकिन एक कार विशेष रूप से तीन घंटे दूर शहर में भेजी जाएगी ताकि आपको वह पांच सितारा बर्गर मिल सके जो आप चाहते हैं। अनुराग कश्यप ने यह भी कहा कि स्वतंत्र विचारों को समर्थन नहीं मिल रहा है। उन्होंने अपनी बात में जोड़ा, मुख्यधारा में, स्वतंत्र विचार अधिक काम करते हैं। लेकिन बात यह है कि उन्हें समर्थन नहीं मिलता। आज आप किसी भी अभिनेता, किसी भी स्टार के पास जाइए, वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह एक बड़ी फिल्म है या नहीं? यह हिट होगी या नहीं? यह व्यवसाय करेगी या नहीं? अगर स्क्रिप्ट अच्छी है तो उन्हें यह जरूर करना चाहिए। हर कोई यह सोचने लगता है कि फिल्म आने के बाद क्या होगा? लेकिन कोई भी अपनी प्रवृत्ति से नहीं चल रहा है। हम सभी इसमें बुरी तरह फंस गए हैं और सोशल मीडिया इसमें सबसे बड़ा दोषी है। अनुराग कश्यप ने यह भी कहा कि स्वतंत्र विचारों को समर्थन नहीं मिल रहा है। उन्होंने अपनी बात में जोड़ा, मुख्यधारा में, स्वतंत्र विचार अधिक काम करते हैं। लेकिन बात यह है कि उन्हें समर्थन नहीं मिलता। आज आप किसी भी अभिनेता, किसी भी स्टार के पास जाइए, वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह एक बड़ी फिल्म है या नहीं? यह हिट होगी या नहीं? यह व्यवसाय करेगी या नहीं? अगर स्क्रिप्ट अच्छी है तो उन्हें यह जरूर करना चाहिए। हर कोई यह सोचने लगता है कि फिल्म आने के बाद क्या होगा? लेकिन कोई भी अपनी प्रवृत्ति से नहीं चल रहा है। हम सभी इसमें बुरी तरह फंस गए हैं और सोशल मीडिया इसमें सबसे बड़ा दोषी है।

इन अभिनेत्रियों ने फिल्मों में निभाया सियासी किरदार, दर्शकों को भी पसंद आया अनोखा रूप

बॉलीवुड में कई तरह की फिल्में बनती रहती है। बॉलीवुड फिल्मों में अभिनेत्रियों ने काफी दमदार रोल निभाए हैं, लेकिन कुछ ऐसी फिल्में भी हैं, जिनमें अभिनेत्रियों ने राजनेताओं का दमदार किरदार निभाया है, तो कुछ फिल्में अभी आने वाली हैं। इस सूची में कंगना रणौत से लेकर रवीना टंडन, जूही चावला और ऋचा चड्ढा जैसी अभिनेत्रियां शामिल हैं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंगना रणौत ने फिल्म इमरजेंसी में भारत की पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है। अब कंगना खुद भी राजनीति के मैदान में हैं, उन्होंने हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से भाजपा का चुनाव जीता है। फिल्म इमरजेंसी का लुक खुद कंगना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर साझा किया है। मीडिया सूत्रों के अनुसार उनकी यह फिल्म 14 जून 2024 को रिलीज हो सकती है। फिल्म राजनीति में कैटरीना कैफ ने एक राजनीतिज्ञ का किरदार निभाया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस फिल्म में कैटरीना का लुक सोनिया गांधी से प्रेरित था। इस फिल्म में कैटरीना के किरदार का नाम इंदू था। इस फिल्म में कैटरीना ने मध्य प्रदेश की सीएम का किरदार निभाया है। बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन ने फिल्म केजीएफ 2 में एक राजनीतिज्ञ का किरदार निभाया है। रवीना ने अपने दमदार रोल से सभी को चौंका दिया था।

चंदू चैंपियन से कार्तिक का है खास कनेक्शन

बोले- ये इंसानी जबे और जीत की कहानी है

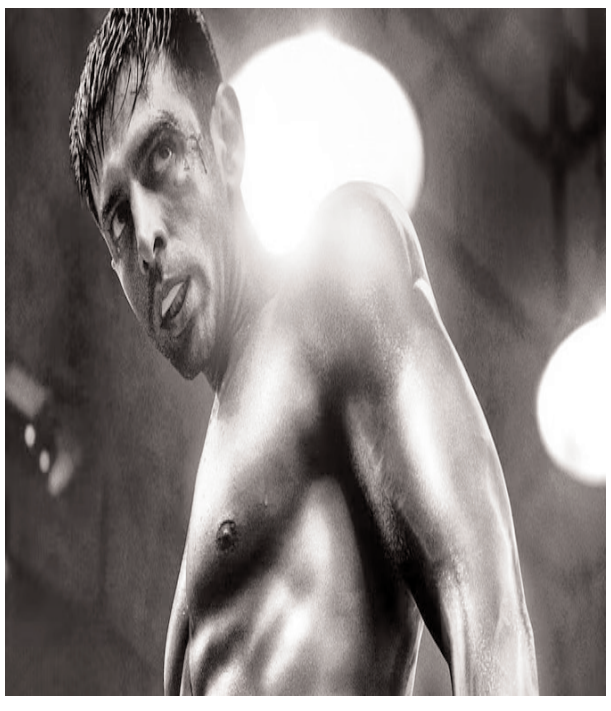

बॉलीवुड के चहेते स्टार कार्तिक आर्यन इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी आगामी फिल्म चंदू चैंपियन रिलीज के लिए तैयार है। कार्तिक इस फिल्म में चंदू चैंपियन की भूमिका में नजर आने वाले हैं। दर्शकों में अभी से ही इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। कार्तिक की यह फिल्म इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। चंदू चैंपियन के प्रमोशन के दौरान कार्तिक ने मीडिया से खुलकर इस फिल्म के अलावा अपने फिल्मी सफर के बारे में भी बातें करते नजर आए।

इंसानी जबे की कहानी है चंदू चैंपियन

कार्तिक आर्यन जी-जान लगा कर अपनी फिल्म चंदू चैंपियन के प्रमोशन में जुटे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेता फिल्म के बारे में बातें करते हुए बोले, यह सिर्फ एक स्पोर्ट फिल्म नहीं है। चंदू चैंपियन इंसानी जीत और उसके सपनों के सच होने की कहानी है। जब दर्शक इस फिल्म को देखेंगे तो एक अलग किस्म का जुड़ाव महसूस करेंगे। यह फिल्म लोगों को जीवन में कुछ करने के लिए प्रेरित करेगी।

मुरलीकांत पेटकर की कहानी

कार्तिक आर्यन अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, इस फिल्म में हमने मुरलीकांत पेटकर की पूरी को जीवन को दिखाने की कोशिश की है। उनकी कहानी एक ऐसी कहानी है जो बहुत से लोगों को जीवन में अपने सपनों को हासिल करने के लिए प्रेरित करती है। हमने इस फिल्म के लिए काफी मेहनत की है। हम उम्मीद करते हैं कि दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी।

ट्रेलर लॉन्च पर पिता हुए भावुक

चंदू चैंपियन के ट्रेलर को ग्वालियर में लॉन्च किया गया था। इस विषय पर बात करते हुए कार्तिक कहते हैं, मेरे लिए वह अनुभव बेहद खास था। मेरे साथ ट्रेलर लॉन्च के दौरान मेरे पिता भी वहां मौजूद थे। दर्शकों से जिस तरह की प्रतिक्रिया मुझे मिली उसे देखकर वे भावुक हो गए थे। इस फिल्म से मैं खास किस्म का जुड़ाव महसूस करता हूं। मुझे लगता है इस फिल्म से हर वो इंसान जुड़ाव महसूस करेगा जो अपने सपनों को सच कर दिखाना चाहता है।

विश्व हिन्दू महासंघ ने मनाया योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन

जिला अध्यक्ष, सहित आसपास के लोगो मौजूद रहे, हुआ मिष्ठान वितरण

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।

शहडोल, बिते बुधवार उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन के अवसर पर सुबह से ही शहडोल में भी धूम रही, जिसमे विश्व हिन्दू महासंघ मध्यप्रदेश की उपाध्यक्ष गीता सिंह के नेतृत्व में पूरे एमपी में जन्मदिन कि धूम रही, वही शहडोल इकाई द्वारा आदित्यनाथ का जन्मदिन हर्षो उल्लास से

मनाया गया। विश्व हिन्दू महासंघ के शहडोल जिले से नवनिर्वाचित छत्रपाल रघुवंशी ने श्यामबाग में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर केक काटकर एवं मरीजों को फल वितरण किया। मिली जानकारी के मुताबिक़ उत्तर प्रदेश के साथ साथ मध्यप्रदेश में भी कई जगहों पर योगी के जन्मदिन मनाया गया। लड्डू भी बांटे गए। इस दौरान छत्रपाल रघुवंशी जिला अध्यक्ष, किरण, गोल्डी, गायत्री, नीलू, सुनीता, अरविन्द, सुरेश, राकेश, राधा, सहित आसपास के लोगो कि मौजूदगी रही सभी लोगो में मिष्ठान वितरित किया गया।

दुपहिया रैली निकलकर दिया पर्यावरण की जागरूकता सन्देश

शहडोल वन मंडलाधिकारी मार्गदर्शन में सायकल रैली निकाली गयी

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।

ब्योहारी, पर्यावरण दिवस मनाने की नींव 1972 में पड़ी, जब संयुक्त राष्ट्र संघ ने पहला पर्यावरण दिवस मनाया है और हर साल इस दिन को मनाने का एलान किया। पहला पर्यावरण सम्मेलन 5 जून 1972 को मनाया गया था, जिसमें 119 देशों ने भाग लिया था। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में सम्मेलन हुआ। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानव पर्यावरण पर स्टॉकहोम सम्मेलन के पहले दिन को चिंहित करते हुए 5 जून को पर्यावरण दिवस के तौर पर नामित कर लिया। दुनियाभर में प्रदूषण तेजी से फैल रहा है। बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रकृति खतरे में हैं। प्रकृति जीवों को जीवन जीने के लिए हर जरूरी चीज उपलब्ध कराती है। ऐसे में

अगर प्रकृति प्रभावित होगी तो जीवन प्रभावित होगा। प्रकृति को प्रदूषण से बचाने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत हुई। इस दिन लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाता है और प्रकृति को प्रदूषित होने से बचाने के लिए प्रेरित किया जाता है। इसी कड़ी मे उत्तर वन मंडलाधिकारी वन मंडल शहडोल के निर्देशानुसार आज उप वन मंडलाधिकारी ब्योहारी के मार्गदर्शन मे पूर्वी वन परिक्षेत्र अधिकारी, गोदावल वन परिक्षेत्र अधिकारी एवं पश्चिमी वन परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा अपने स्टाप सहित संयुक्त रूप से उप वन मंडल कार्यालय से साखी बेरियल तक पर्यावरण की जागरूकता फैलाते हुए मोटर सायकल रैली निकाली गयी। मऊ डैम (तलाब) मे जाकर प्लास्टिक के कचड़े बिने गये। सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने की लोगों को समझाइस दी गयी साथ ही प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करने के लिये कहा गया, उसके बाद सभी लोगों द्वारा मिशन लाइफ की शपथ ली गयी। साखी बेरियल के पास उपस्थित जन प्रतिनिधि एवं आम जन लोगों के साथ बेरियल प्रांगण मे फल दार पौधे लगाये गये। पौधा रोपण के बाद लोगों को पर्यावरण बचाने और वृक्षो को बचाने का संदेश दिया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्यक्रम का रामनगर जनपद सीईओ ने किया शुभारंभ

सिटी चीफ,उमेश कुशवाहा रामनगर-जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत बड़ा इटमा के अमृत सरोबर तालाब मन्री में जल भराव के फ़ीडर चैनल का निर्माण कार्य खारा ग्राम पंचायत में बीज़ रोपण कार्य जन सहयोग से प्रारंभ किया गया कार्यक्रम में रामनगर जनपद सी ईओ एम एल

प्रजापति लोक स्वास्थ यांत्रिकी बिभाग के सहायक यंत्री आर के पटेल उपयंत्री आर के मिश्रा समाजसेवी सुभाष पाण्डेय खारा सरपंच श्री मति उमा सिंह सचिव मथुरा पटेल कृषि बिभाग आर ए ई ओ एस के खंगार,मोनु निलामा उप सरपंच बड़ा इटमा लोलवा कोल खारा सरपंच प्रतिनिधि दानेंद्र प्रताप सिंह राज सिंह रामशखा यादव शिब्बू सिंह विकास सिंह अभिषेक मिश्रा सहित आधा सैकड़ा ग्रामीण मौजूद रहे।

खबर का असरः अवैध होर्डिंग्स पर चला प्रशासन का डंडा

आखिरकार ब्लिंकर के नाम पर हुआ फर्जीवाड़ा बेनकाब

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।

शहडोल, जिले में 2007 के बाद से खटाई में पड़ा नगरपालिका परिषद् अंतर्गत लगी होर्डिंग्स और इस कारोबार से होने वाली आय को लेकर पसोपेश में ही सही नगरीय निकाय प्रशासन ने खबर को संज्ञान में लेते हुए ब्लिंकर के नाम पर हुए टेंडर को यूनिक एंटरप्राइसेस को सफेदा लगाकर षड्यंत्र पूर्वक होर्डिंग में एकल अधिपत्य की जद्दोजहद में ठेकेदार बेतरतीब से मनमाफिक एक लम्बे अर्शे से संचालित ऐसे कालाकारोबार पर कलेक्टर, सीएमओ की जाने नज़र कैसे नहीं पड़ी बडा सवाल। नगरपालिका की नज़र कैसे नहीं पड़ी, सड़को इर्दगिर्द भारी मात्रा में लगे होर्डिंग कारोबार में यह कारोबारी चाँदी काट रहे है ।

सीएमओ के संरक्षण में सूरी का अवैध होर्डिंग का कारोबार

इनके कारोबार में अब तक लगी होर्डिंग कारोबारियों को लाखो रूपए कमा कर दे चुकी है यह बात अलग है की अवैध होर्डिंग का धंधा होर्डिंग कारोबारी को फर्श से अर्श तक पहुंच चुके है। सूत्र बताते है अवैध कारोबार से अर्जित कमाई से नगरपालिका में एक धेला नहीं मिला। टेंडर क्रमांक 6587 एवं 6588 जो दिनाक 23 जुलाई 2024 को सम्पादित किया जा चुका था कि गैन्ट्री लगाने एवं बिलिंकार बोर्ड विज्ञापन है जो एक टेंडर बीस वर्षो तक के लिए लिया गया है. इसकी निविदा राशि 3311000 .00 तैतीस लाख ग्यारह रूपए है लेकिन उसी दिन एवं उसी दिनांक को गुपचुप एक टेंडर और आ गया जो बाईस लाख इंक्यावन हज़ार रूपए में पांच

ट्रैफिक सिग्नल एवं जय स्तम्भ से गाँधी चौक तक एवं अतिरिक्त कुल 50 नग ब्लिंकर ट्रैफिक सिग्नल में लगये जायगे। लेकिन कागज में सफेदा और सीएमओ के आँखों में धूल झोंककर काम करने वालो ने अप्रत्यक्ष रूप से संगठित अपराध में सबकी भागीदारी बिना लार्ज स्केल का बड़ा घोटाला बेनकाब हुआ।

युवक संदिग्ध परिस्थिति में गोली लगने से हुआ घायल

हॉस्पिटल में कराया गया भर्ती, पुलिस जाँच में जुटी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर (नकुड), सहारनपुर जनपद के नकुड थाना क्षेत्र के निकटवर्ती गांव छापर में 22 वर्षीय युवक को गोली लगने की खबर से सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि युवक गंभीर रूप से घायल है जिसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां से उसकी गंभीर हालात देखते हुए जिला सहारनपुर अस्पताल रेफर कर दिया गया। पीड़ित परिजनों की तहरीर पर पुलिस जांच में जुट गई है। आरोप है कि गांव के ही कुछ युवकों द्वारा फोन कर बुलाया गया था। जिसे बाद में गोली मार कर घायल कर दिया गया। घटना को लेकर कई तरह की चर्चा व्याप्त हैं।

टली अनहोनी : भरभरा कर गिरी भ्रष्टाचार की दीवार

गुजरते वक़्त राहगीर हुआ घायल

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।

शहडोल, एसईसीएल सोहगपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय से चंद कदम दूर स्थित कार्यालय विक्रय विपरण एवम केंद्रीय प्रयोग शाला सोहगपुर (एरिया सेल्स मैनेजर कार्यालय) के बाहर की बाउंड्रीवाल भरभराकर गिर गई। जिससे वहाँ खड़ी एक नई कार जहाँ क्षतिग्रस्त हो गई, मिली जानकारी के मुताबिक ठीक उसी समय वहाँ से गुजर रहे एक पर बाईक सवार के घायल होने की भी खबर है। दरअसल घटनाक्रम की फोटो वीडियो सोशल मीडिया पर ट्रेंड होते ही इस मामले को पुरे तरह दबा दिया गया। यह घटना सोमवार की बताई जा रही है।

हम आपको बतला दे कि एसईसीएल सोहागपुर एरिया का एरिया पर्सनल मैनेजर कार्यालय सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत करीब कि बाउंड्रीवाल काफी समय से क्षति ग्रस्त थी। लेकिन लापरवाह जिम्मेदार अफसर इसकी मरम्मत कराने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाये जिसके चलते एक बड़ी घटना घटित होते होते रह गई और एरिया का सिविल विभाग का अमला चुपचाप खुली आँखों से सुब कुछ होते देख रहा था। जिसके परिणाम स्वरुप उक्त बाउंड्रीवाल शनै शनै जर्जर होकर जमींदोज़ हो गई।

कार में गिरा दीवार का मलबा....

इस दौरान बाउंड्रीवाल का मलबा वहाँ खड़ी कार क्रमांक एमपी 18 सीए 5142 के ऊपर भी गिरा। जिससे कार बुरी तरह क्षति ग्रस्त हो गई। साथ ही वहाँ से गुजर रहे एक मोटर सायकिल सवार के चोटिल होने की भी जानकारी सामने आ रही है। सोशल मीडिया मे घटना का वीडियो भी अब जमकर वायरल हो रहा है। वहाँ लगी राहगीरो कि भीड़ से पता चल रहा है कि उक्त घटना मे कोई घायल हुआ है। लेकिन मामले को वही रफा दफा कर दिया गया। पता चला है कि घटना के बाद अपनी नाकामी छुपाने इस मामले को एसईसीएल प्रबंधन द्वारा वहीं दबा दिया गया। हालकि यह बात भी सामने आ रही है कि उक्त कार जिसकी थी, अगर उसने इस टूट फूट के लिए इन्श्योरेंस कंपनी मे क्लेम किया तो फिर उसे थाने तक इसकी जानकारी देनी पड़ेगी। लेकिन मामला वही सेटल हो जाने के कारण यह बात थाने तक अभी तक नही पहुंची है। सुबुगाहट यह भी है कि चोटिल व्यक्ति एक इलाज़ के खर्चे पर्चे निजी अस्पताल के दिए जा रहे है ताकि मीडिया हंगामा न खड़ा कर दे।

प्रतिक्रिया....

यदि ऐसी घटना हुई है तो इस संबंध मे पतासाजी कराई जाएगी।
जे पी शर्मा, थाना प्रभारी अमलाई, शहडोल

सिंडिकेट : सोन की सुनहरी रेत, माफियाओ का खूनी खेल

जारी है सहकार का लीज से बढ़कर अवैध खनन, ओवरलोड परिवहन

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।

शहडोल , जिले में अवैध खनन पर उतारू रेत माफिया का जारी खूनी खेल की घटनाक्रम और वारदातों में कमी की जगह इजाफा हो रहा है, जिसकी निंदा भले ही समूचे मध्यप्रदेश के राजनीतिक दलों के शीर्ष पदाधिकारियों ने की लेकिन शहडोल जिले में सारे के सारे नेताओं सहित जिम्मेदार अधिकारियों को मानो साफ सूंघ गया खास तौर पर रेत मामले को लेकर राजनीती में आगे आने वाले युवा ब्यौहारी विधायक शरदकोल भी मानो मानवीय संवेदनाओं का मूल्य ही भूल बैठे है.....पटवारी एएसआई मामले में माननीय ना मृतक परिजनों की सुध लेने पहुंच सके ना कहीं कोई सरकारी, ना राजनीतिक जन-प्रतिनिधियों का कंधा पटवारी की अंतिम यात्रा का हिस्सा बन पाया बल्कि एएसआई की मौत मामले में पुलिस ने नरम रुख इख्तियार करते हुई यथासंभव प्रयास किये जिसकी सराहना भी की जा रही है लेकिन एक ही जिले में कैसा दोहरा कानून जो एक को एक करोड़ दूसरे को रोगी कल्याण समिति से 25 हज़ार की राशि से राहत दिला इतिश्री कर ली फिर बाद में मिली जानकारी के वो पैसा भी परिजनो ने कलेक्टर को वापस कर दिए यह रवैया समझ से परे है।

मर गई इंसानियत....

ज्जिले में एक के बाद एक घटनाक्रम के बावजूद रेत को लेकर विवादित रसपुर. पोंडी, से लेकर दो दर्जन अवैध रेत के ठीहे गुलजार है जिसकी रोक टोक करने वालो को मानवीय जिले से बाहर भेज देने का माद्दा तो रखते है, माननीय शहडोल वो यही जिला है जहां कुछ दिनों पहले अपराधियों और माफियाओ पर पुलिस का ऐसा खौफ था कि पुलिस सायरन बजने से अवैध कारोबारियों की रूह कांप जाती है, आपकी भी काँपी थी, जिसके चलते अपराधी स्वयं को सुरक्षित रखने पड़ोस जिले में पनाह लेने को मजबूर थे । तब जिला जीरो टॉलरेंस पर काम करता था आज वो दिन हवा हो गए, पहले के अफसरों की कार्यप्रणाली को लेकर और माफियाओं को बचाने की खातिर तात्कालिक एसपी अवधेश कुमार गोस्वामी का स्थानांतरण को लेकर ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक शरद कोल ने तो एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया था । लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री जीरो टॉलरेंस को लेकर बेहद संजीदा थे और लाख दबाव आया किसकी बात नहीं मानी ।

की कार्यवाही हुआ तबादला....

सूत्रों के हवाले से खबर है कि बीते नगरीय निकाय चुनाव के पूर्व अमरपाटन विधायक, शहडोल के पालक मंत्री ने भी अवधेश गोस्वामी को जिले से अन्यत्र ट्रांसफर किए जाने की सिफारिश की इनकी सिफरिश चुनाव में फ्री फ्रीडम को लेकर मान ली गई। हम आपको बता दें कि जिले में कुमार प्रतीक की पदस्थापना के बाद से ही कानून व्यवस्था मानो दम तोड़ती नजर आई, लंबे अरसे बाद ही सही एक बार फिर माफियातंत्र इस कदर रिएक्टिवेट हो गया और आज माफियाओं ने अपना दसों दिशाओं में तांडव मचाया हुआ है, इस मामले में भी खुफिया जानकारी के मुताबिक कोयलांचल के एक सेठ ने लगभग चालीस पेंटी ढ़ीली कर मन मुताबिक पुलिस अधीक्षक की पदस्थापना आदेश को हरी झंडी दिखाई, ताकि सेठ के इशारे पर कठपुतली की तरह काम करें संभवत: हो वैसे ही रहा है।

कप्तान कि विवादित इंट्री बनी सुर्खिया....

पीएचक्यू से सीधा शहडोल एसपी की पदस्थापना होते ही शुरुआती दिनों में ही अमलाई थाना में शिकायत लेकर आई एक महिला को ही पुलिस ने ही उल्टा परेशान किया गया, परेशान महिला अमलाई थाना परिसर में ही खुद को आग के हवाले कर लिया, भूमाफिया को निस्तनाबूद करने वाली सत्ता में आसीन सरकार शहडोल में सरकारी भूमि हड़पने वाले अभिषेक मिश्रा नमक व्यक्ति पर रहमदिली दिखा रही है, आर टी आई से मिली जानकारी के मुताबिक दर्जनों धाराओं में दर्ज मुकदमे जिनमे 307 का भी मामला दर्ज है इतना ही नहीं इनका पूरा कुनबा शासकीय भूमि, आदिवासी कि भूमि, तालाब कि भूमि पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कब्ज़ा करते हुए उक्त कब्जाई भूमि से कमर्शियल उपयोग कर हर माह 5 लाख रूपए से ऊपर अवैध उगाही कर रहे है, जिनकी शिकायते लगभग एक साल से बंद फाइलों में धूल खा रही है, अभिषेक मिश्रा पर 49 लाख रूपए कि धोखाधड़ी कि भी शिकायत

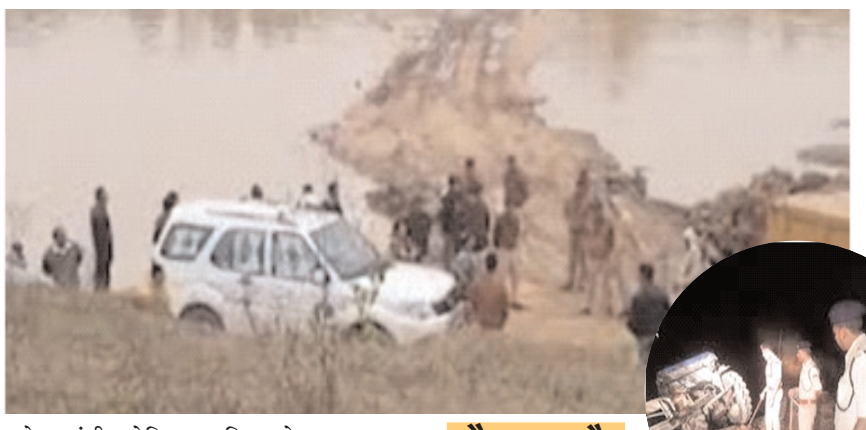

थाने पहुंची लेकिन माफियाओ का तगड़ा मैनेजमेंट थाने में कार्यवाही की जगह समझौता करवा देता है आज 11 माह में पुलिस ने केवल टालमटोल किया और इस बीच फरयादी महिला ने आत्मदाह का दिया लेकिन मजाल है पुलिस आरोपी का कुछ कर पाए। जबरन की दी छूट शहडोल में लूट को बढ़ावा दे रही है।

पत्रकार पर हुआ जानलेवा हमला

लगतार माफिया के खिलाफ शिकायतकर्ताओ की शिकायत के आधार पर समाचार प्रकाशित किये जाने से तिलमिलाए अभिषेक मिश्रा पुरानी बस्ती ने बेटू चौबे, अजित, रोशन यादव, सहित सफ़ेद जुपिटर जिसका नंबर सीसीटीवी वीडियो फोटो में दिख रहा है इन लोगो ने सिंदूरी में पलानिंग की और अपना अपना मोबाइल वहा नियोजित तरीके से रखा, जिससे पुलिस को गुमराह करना आसान हो, लेकिन पत्रकार प्राण घघाटक हमला करने वालो में से दो नकाब पोश लोगो ने अपने गुरु से बात की जिसका संभवत: पीएसटीएन डाटा खगाला जा चुका, लेकिन आज तक नामजद आरोपी खुले आम घूम रहे है फरयादी पत्रकार ने एसपी एडीजीपी सहित डीजीपी भोपाल एवं प्रेस कौंसिल को लिखे शिकायतीपत्र में व्यथा बताते हुए कहा है उसकी जान को खतरा है जिला प्रसाशन जानबूझ कर अनदेखी कर रही है माफिया ने मुझे खरीदने की कोशिश की जब मैंने मना कर दिया तो जान लेना चाहता है, और इसके साथ साथ मुझे झूठे केश मुकदमो में फसाने की साजिश चल रही है, मतलब चोर साहूकार और कठघरे में ईमानदार, शायद इसी को माफिया सिंडिकेट कहा जाता है।

कौन करता है अफसरों को मैंटेन....

रेत खनन और परिवहन जिले के ब्यौहारी, देवलोद दोनों थाने के सामने से होकर गुजरती रेत लदी ओवरलोड ट्रक ना सिर्फ गोविंदगढ़ में रेत मंडी बल्कि रीवा सतना के रास्ते उत्तरप्रदेश तक की रेत आपूर्ति बेधड़क हो रही। इसके पीछे माफियातंत्र है जो कि देशभक्ति जनसेवा का दंभ भरने वाले पुलिसिया तंत्र को बौना साबित कर दिखा दिया। सूत्रों की मानें तो सबसे अधिक रेत खनन माफिया ब्यौहारी में सक्रिय हैं यहाँ सीधी के बदमाश गजेंद्र डेविड नामक ने डेरा दाल रखा है जो सोन? सहित सहयोगी समधन नदी की खनिज संपदा पर हाथ साफ करते हुए यह तस्करी झपार, सुखाड़, पसगढ़ी ब्यौहारी, खांड देवलोद के ईर्द-गिर्द घूम अब तक अरबों रुपए की शासन को चपत लगा चुके है। हम आपको बता दें कि रेत का सबसे बड़ा भण्डारण और मार्केट गोविंदगढ़ में सजता है, लोगों के मुताबिक यहां बारह महीने रेत लदी पानी टपकती ट्रको की बोली होती है तथाकथित सीधी का रेत तस्कर डेविड अपनी ऊंगलियो में शहडोल से लेकर उत्तरप्रदेश तक जिम्मेदार अफसरों को मेंटेन करता है खुफिया जानकारी के मुताबिक चार सत्ता वाले मोबाइल फोन नंबर इस्तेमाल करने वाला रेत तस्कर गोविंदगढ़, रीवा, मनगवां, चाकघाट, प्रयागराज, फफामऊ, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, बीकापुर, भदरसा होकर फैज़ाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग से महावन तक की रेत आपूर्ति करता है इस मामले में आश्चर्यजनक बात यह कि शहडोल में जिस तरह रेत माफियाओं का सिंडिकेट जिले के खुफियातंत्र इंटेलिजेंस को गच्चा देकर बेधड़क रेत तस्करी कर रहा था इसकी कानों कान खबर तक ना हुई। या यह भी कहा जा सकता कि सब कुछ पर्दे के पीछे दबे पांव चल रहा था लेकिन पटवारी की हत्या के बाद मामला बिगड़ गया, फिर एएसआई की ट्रेक्टर से कुचल कर मौत का मामला, जिसको लेकर सूबे के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी फटकार लगते हुए तत्काल कार्यवाही और मुआवजे की घोषणा की थी। लेकिन एसडीओपी रवि कोई के वायरल ऑडियो के बावजूद खुफ़िया इंटेलीजेंस किसी की भूमिका स्पष्ट नहीं कर पायी। हालाकि पटवारी के परिजनों ने जिला प्रशासन द्वारा देर रात रेत तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई को बिना पुलिस बल निहत्थे पटवारी प्रसन्ना की ड्यूटी लगाई इस पर सवाल उठा रहे हैं। वही एएसआई महेंद्र बागरी कौन सा वारंटी पकड़ने गए थे इसका भी कोई जवाब आज तक किसी को ना मिला।

बहरहाल इस घटनाक्रम के सामने आने के बाद एक बात तो तय है बिना आग धुआं नहीं उठता अगर जिला और पुलिस प्रशासन की तरफ उंगली उठ रही है तो लाजिमी है आने वाले समय में जनता का प्रशासन पर से भरोसा उठ जाएगा, क्योंकि जब पुलिस प्रशासन ने हेलमेट सीटबेल्ट अभियान चलाने को पूरी फोर्स नागरिकों से चालान वसूली में लगा रखा था उसी समय घात लगाए बैठे माफियाओं ने सोन? की सुनहरी रेत की खातिर खूनी खेल खेला है अब भला पटवारी की मौत के बाद कौन सा चालान उनके मृतक परिजनों के सर का साया वापस ला सकता है, इस मामले में कुछ अनसुलझे सवाल है जो इंगित करते हैं कि माफियाओं का सिंडिकेट काफी तगड़ा है और लंबे अरसे से सक्रिय है, सूत्र बताते हैं कि घटना स्थल से लेकर देवलोद थानांतर्गत पदस्थ अफसरों के मोबाइल सीडीआर खंगालने लिया जाएं तो कथित डेविड सहित तमाम रेत तस्करों के नाम उजागर हो सकतें हैं कहा यह भी रहा है कि कुछ जिले के बड़े भी इस खेल में शामिल हैं और निष्पक्ष कार्रवाई में अड़ंगा लगा कर बेगुनाह लोगों को पकड़ पकड़ कर जेल?भर रहे हैं।

दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा

मौन रहकर भी क्रांतियां लाई जा सकती हैं

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा जब बच्चे स्कूल में थे तब यदि यह बीज हम उनमें रोप देते, यदि पढ़ाई के साथ हम उन्हें बता पाए कि यह लाइफ वैल्यु एजुकेशन बहुत इंपॉर्टेंट है, स्कूली शिक्षा के अलावा, तो वृक्ष लगाने के लिए किसी को आवाहन करने की जरूरत नहीं पड़ती, यह अपने आप उनके संस्कारों में आ जाते। उन्होंने कहा नए शैक्षणिक सत्र शुरू हो रहा है इसके लिए एक छोटी सी बुकलेट तैयार कर रहे हैं, जिसमें इस तरह की लाईफ स्कीनस् और लाईफ एजुकेशन पर बच्चों को डेली बेसिस पर कुछ ना कुछ बताया जाएगा।

उन्होंने कहा यदि आपको फोटो खींचने के लिए पेड़ लगाना है तो 10 हजार पेड़ लगा दीजिए और 10 हजार फोटो खिंचवा लीजिए और वहां से आ जाओ, इससे कुछ होने

वाला नहीं है, लेकिन यदि वास्तव में आपको उसका संरक्षण करना है तो मुझे लगता है एक पेड़ काफी है। यदि आप एक साल में एक पेड़ लगाते हैं और उसका संरक्षण करते है तो यही काफी है।

उन्होंने कहा यदि प्लास्टिक का बेन मानोगे तो दुनिया को पता नहीं चलेगा, तो आपको उसका क्रेडिट नहीं मिलेगा, तो आपको लगेगा मैंने कुछ किया, दुनिया ने तो देखा ही नहीं लेकिन आप वृक्ष लगाते हैं तो पूरी दुनिया देखती है, आपको क्रेडिट मिलता है आप अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर डालते हैं, की देखियें आज मैंने वृक्ष लगाया है। तो हमें अंतर करना पड़ेगा की मौन रहकर भी क्रांतियां लाई जा सकती हैं, बशर्ते क्रेडिट लेने और प्रसिद्धि पाने की चाहत ना हो। कलेक्टर ने कहा अपनी प्रकृति और अपने परिवार को बचाने के लिए क्या हम इतना कर सकते हैं और इसके लिए मेरा लास्ट पॉइंट यही है की प्रकृति को परिवार का हिस्सा बनाएं, जब तक आप प्रकृति को परिवार का हिस्सा नहीं बनाएंगे, तब तक बाहरी लोग आपको आकर के सिखायेंगे की आपको क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी एस. के. नेमा, जिला परियोजना समन्वयक मुकेश दुवेदी, रामलाल पटेल सहित गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही ।

दमोह में खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा मेडिकल स्टोर्स एवं रिटेल कॉस्मेटिक शॉप का किया गया औचक निरीक्षण

मेडिकल स्टोर्स को फूड लाइसेंस बनवाने एवं अन्य नियमो का कड़ाई से पालन करने हेतु निर्देशित किया गया

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

मेडिकल स्टोर्स को फूड लाइसेंस बनवाने एवं अन्य नियमो का कड़ाई से पालन करने हेतु निर्देशित किया गया

दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों द्वारा दमोह जिले के प्राइवेट हॉस्पिटल में संचालित मेडिकल स्टोर्स एवं कॉस्मेटिक विक्रय संस्थानों की जांच की गई। जांच के दौरान औषधि निरीक्षक महिमा जैन एवं डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल द्वारा बालाकोट रोड दमोह स्थित माही डिलाइट रिटेल कॉस्मेटिक शॉप, सर्वज्ञ हॉस्पिटल, फातिमा नर्सिंग होम में स्थित मेडिकल स्टोर की जांच की गई। जांच के दौरान औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन सामग्री के नमूने जांच हेतु लेकर शासकीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला में भेजे गए। इस दौरान मेडिकल स्टोर्स को फूड लाइसेंस बनवाने एवं अन्य नियमो का कड़ाई से पालन करने हेतु निर्देशित किया गया। जांच के दौरान गर्भपात कराने वाली किट, नशीली दवाओं के क्रय विक्रय के रिकॉर्ड की जांच की गई जो कि सिर्फ सक्षम चिकित्सा अधिकारी के प्रिस्क्रिप्शन पर दी जाती है।

शासकीय माध्यमिक शाला सतौआ मे पर्यावरण दिवस समारोह

बच्चों और ग्राम के जिम्मेदार व्यक्तियों को पेड़-पौधा वितरण किये गए

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, शासकीय माध्यमिक शाला सतौआ संकुल केंद्र - बांसाकला वि.खं.-पथरिया जिला दमोह में पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य मे शाला प्रभारी मोहन सिंह द्वारा शाला के बच्चों और ग्राम के जिम्मेदार व्यक्तियों को पेड़-पौधा वितरण किये गए और सभी शिक्षकों और बच्चों को शपथ दिलाई गई की केवल पर्यावरण दिवस ही नहीं हमेंशा पर्यावरण के संरक्षण के लिए तैयार रहेंगे पेड़ लगाने के बाद उनकी देखभाल करेंगे और अन्य लोगों को भी प्रेरित करेंगे विद्यालय की यूको टीम द्वारा भी ग्राम और शाला स्तर पर पर्यावरण के प्रति सराहनीय कार्य किये जाते हैं। वृक्षा रोपण करने के बाद उनकी सुरक्षा के लिए हरी मेट की जाली बांधी गई जिससे पशुओं से इन पेड़ो को बचाया जा सके। वृक्षा रोपण के लिए अन्य शिक्षक साथी प्राथमिक शाला शाहपुर से अरविन्द सिंह ठाकुर, दीपक मिश्रा, गवर्मेंट हॉस्पिटल गढ़ाकोटा से हरूवर्षा गुप्ता, लक्ष्मी अरसिया ने वृक्ष खरीदने और वृक्षा रोपण के लिए विशेष सहयोग राशि प्रदान की।शाला प्रभारी मोहन सिंह ने बताया की हमारी शाला की यूको यूथ क्लब टीम के बच्चों को पढ़ाई के साथ वर्ष भर पर्यावरण से जोड़े रखने के लिए गतिविधियां कराई जाती रहती हैं जैसे स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण, हाथ धुलाई, स्वास्थ्य विभागों का भ्रमण, कृषि सम्बन्धी जानकारी, मृदा संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण आदि।

सहारनपुर में कांग्रेस 40 साल और मसूद परिवार 23 साल बाद लोकसभा में पहुंचा

इमरान ने जीत का श्रेय अल्लाह और भगवान श्रीराम को दिया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, कांग्रेस पार्टी 40 साल बाद जिले के सबसे रसूखदार सियासी मसूद घराने के कंधों पर सवार होकर लोकसभा पहुंची है। आखिरकार कांग्रेस का इमरान मसूद पर 10 साल से कायम भरोसा रंग ले ही आया। मोदी युग के पिछले दो चुनावों में भाजपा को तगड़ी चुनौती देने वाले इमरान मसूद के जरिए कांग्रेस अबकी तीसरी बारी में लोकसभा पहुंचने में सफल हो गई और वह भी धमाकेदार ढंग से। मसूद परिवार की ओर से आखिरी बार 2001 में इमरान मसूद के चाचा काजी रशीद मसूद सपा के टिकट पर लोकसभा का चुनाव जीते थे। अब 2024 में उनके भतीजे और देश के बहुचर्चित नेता इमरान मसूद ने भाजपा के राघव लखनपाल शर्मा को 64542 वोटों के अंतर से हराया। इमरान मसूद को 547967 वोट मिले। भाजपा को 483425 वोट मिले, बसपा के माजिद अली को 180353 वोट मिले। भाजपा शुरू से ही दोनों मुस्लिम उम्मीदवारों में बंटवारे को अपनी जीत का आधार मानकर चल रही थी। कहा जा रहा है कि प्रदेश भाजपाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने जिद्द करके राघव लखनपाल को टिकट दिलवाया था। लेकिन राघव लखनपाल भाजपा नेतृत्व के भरोसे पर खरे नहीं उतर पाए। कांग्रेस पार्टी 40 साल बाद सहारनपुर सीट पर लोकसभा चुनाव जीती है।1984 में इंदिरा गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति लहर पर सवार होकर यशपाल चौधरी ने तत्कालीन सांसद रशीद मसूद को चुनाव में पराजित कर लोकसभा चुनाव जीता था।1951-52 लेकर 1971 तक हमेशा सहारनपुर का नेतृत्व कांग्रेस ने किया।1952 और 1957 में अजित प्रसाद जैन और 1962 और 1967 एवं 1971 में दलित नेता सुंदर लाल कांग्रेस से सांसद चुने गए। 1977 में जनता पार्टी की ओर से पहली बार मसूद खानदान की ओर से रशीद मसूद ने लोकसभा चुनाव जीता था। इमरान मसूद ने अपनी जीत का श्रेय अल्लाह के साथ-साथ भगवान श्रीराम के आर्शीवाद और राजपूतों के समर्थन को दिया। पराजित राघव लखनपाल शर्मा ने राजपूतों की नाराजगी और हिंदू समाज के जातियों में बंटने को अपनी हार का कारण बताया।

मण्डलायुक्त डा. हृषिकेश भास्कर यशोद द्वारा दिये गये निर्देश

जांच में दोषी पाये गये अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, सहारनपुर जनपद में विकास खण्ड गंगोह में ग्राम पंचायत का पिछला कार्यकाल समाप्त हो जाने के बाद, ग्राम पंचायतों में नियुक्त तत्कालीन प्रशासक एवं सहायक विकास अधिकारी (आई0एस0बी0) तथा तत्कालीन 13 ग्राम विकास अधिकारियों ने तीन माह में 98 ग्राम पंचायतों में लगभग 8 करोड रू0 खातों से निकालकर गबन किये जाने की शिकायत तत्कालीन मण्डलायुक्त को प्राप्त हुयी थी। तत्कालीन मण्डलायुक्त द्वारा प्रकरण की जांच अपर आयुक्त, सहारनपुर मण्डल सुरेन्द्र राम को सौंपी गयी थी। मण्डलायुक्त डा0 हृषिकेश भास्कर यशोद के संज्ञान में मामला आने पर उनके द्वारा इसे गम्भीरता से लेते हुये शीघ्र जांच आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। जिसके क्रम में जांच अधिकारी द्वारा अपनी अनन्तिम जांच आख्या मण्डलायुक्त के समक्ष प्रस्तुत की जिसमें प्रमोद कुमार तत्कालीन प्रशासक / सहायक विकास अधिकारी (आई0एस0बी0), जय प्रकाश वर्मा तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी, अंकित तोमर तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी, नीटू तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी, विक्रांत तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी, प्रदीप कुमार तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी, श्री किरत कुमार तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी एवं श्री योगेन्द्र कुमार तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी के विरूद्ध लगाये गये आरोप सही पाये गये। मण्डलायुक्त डा. हृषिकेश भास्कर यशोद द्वारा जिलाधिकारी सहारनपुर को पत्र प्रेषित कर सभी दोषियों के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। इसकी सूचना मण्डलायुक्त द्वारा प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास एवं आयुक्त ग्राम्य विकास लखनऊ को भी प्रेषित कर दी गयी है। ज्ञातव्य है कि अभी जांच अधिकारी द्वारा अनन्तिम जांच आख्या ही मण्डलायुक्त को सौंपी गयी है जाँच की कार्यवाही अभी चल रही है जिसमें और भी कई नामों का खुलासा होगा। मण्डलायुक्त द्वारा जाँच अधिकारी को शीघ्र ही जाँच की कार्यवाही पूर्ण कर जाँच आख्या प्रस्तुत किये जाने के निर्देश दिये गये।

इंजीनियर और ठेकेदार की मिली भगत से बिना रेत के चल रहा काम , चंद दिनों में सड़क की उड़ जायेगी धज्जियां

सिटी चीफ,उमेश कुशवाहा मैहर में डेल्हा से जरियारी मार्ग में निर्माणाधीन सड़क निर्माण में बिना रेत के धड़ल्ले से कार्य चालू है क्षेत्र में पहाड़ी का पानी तेजी के साथ बहता है जिससे पहले। भी कई बार सड़के और पुल बह चुके है लेकिन इसके बावजूद ठेकेदार और इंजीनियर की मिलीभगत से बिना रेत के ही कार्य किया जा रहा है जिसकी की आगामी दिनों में कुछ ही समय में पुल उखड़ कर बह जायेगी मामले की जानकारी भी संबंधित इंजीनियर संजीव शर्मा को जानकारी दी गई लेकिन उनके कानों में भी जू रेंग कर रह गई और ठेकेदार से मिली भगत में मस्त है और उनके इशारों से ही पूरा काम चलता है मैहर में जिले की मुखिया इन दिनों सभी विभागों की बैठ ले रही है क्या पीडब्ल्यूडी की सड़को का भी हो सकता है निरीक्षण , या फिर इसी तरह ठेकेदार और इंजीनियर भारष्टाचार में लिप्त रहेंगे

भोपाल रातीबड़ पुलिस द्वारा शातिर चोर नकबजन आरोपी से 05 नकबजनी के अपराधों का हुआ खुलासा

भोपाल

आरोपी से कुल 05 अपराधों का मशरूका सोना व चांदी के आभूषण एक चार पहिया वाहन अल्टो कार,एक दो पहिया वाहन मोटर साईकिल कुल मसरुका लगभग 15 लाख रुपये की रिकवरी कर मशरूका किया गया बरामद

थाना रातीबड पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में शातिर नकबजन गिरफ्तार कर आरोपी से कुल 05 अपराधों का मशरूका सोना व चांदी के आभूषण एक चार पहिया वाहन अल्टो कार,एक दो पहिया वाहन मोटर साईकिल कुल मसरुका लगभग 15 लाख रुपये की रिकवरी कर मशरूका किया गया बरामद

थाना रातीबड भोपाल में दिनाँक 11/09/23 को फरियादिया दुर्गा राय पति दीपांकर राय उम्र 30 साल निवासी म.नं. 26 फेस 02 विशाल नगर थाना रातीबड भोपाल की रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा ताला तोडकर अलमारी से सोने चाँदी का सामान चोरी करने पर से अज्ञात आरोपी के विरुध्द अप. क्र.355/2023 धारा 457,380 भादवि का पंजीबध्द किया गया व दिनांक 05.11.2023 को फरियादी राजेश गिरी पिता नत्थू गिरी उम्र 51 साल निवासी म.नं. 35 लेकव्यू कालोनी नीलबड भोपाल की रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा ताला तोडकर कर घर में खडी अल्टो 800 कार रजिस्ट्रेशन नं. ..चोरी करने पर से अपराध क्र 431/2023 धारा 457,380 भादवि. का पंजीबध्द किया गया व दिनांक 20.11.2024 को पुन = फरियादिया दुर्गा राय पति दीपांकर राय उम्र 30 साल निवासी म.नं. 26 फेस 02 विशाल नगर थाना रातीबड भोपाल की रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति

द्वारा ताला तोडकर अलमारी से सोने चाँदी सामान चोरी करने पर से अज्ञात आरोपी के विरुध्द अप. क्र.451/2023 धारा 457,380 भादवि का पंजीबध्द किया गया व 23.11.2023 को फरियादी राजेश कुमार पाटिल पिता रामपत पाटिल उम्र 46 साल निवासी म.न. 18 शक्ति परिसर कलखेडा रोड नीलबड भोपाल की रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा घर का ताला तोडकर अलमारी में से सोने चाँदी का सामान चोरी करने पर से अप. क्र. 452/2023 धारा 457,380 भादवि. का पंजीबध्द किया गया व दिनांक 27.11.2023 को फरियादी डॉ भागचंद्र जैन पिता हजारीलाल जैन उम्र 67 साल निवासी म.नं. सी-29 नेहरुनगर भोपाल की रिपोर्ट अज्ञात व्यक्ति द्वारा घर का ताला तोडकर सामान चोरी करने पर से अपराध क्र 459/2023 धारा 457,380 भादवि का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया दिनांक 30.05.2024 को माननीय जिला न्यायालय भोपाल से आरोपी प्रताप मंडल का पीआर लेकर उक्त अपराधो में पूछताछ की गई तथा रातीबड थाना क्षैत्र के चोरी के घटना स्थलो की तस्दीक कराई गई ।

पूछताछ एवं अपराधो में चोरी हुये मसरुका की जप्ती हेतु वरिष्ठ अधिकारिंयो को अवगत करा कर पुलिस उपायुक्त जोन-01 श्रीमती प्रियंका शुक्ला, अति.पुलिस उपायुक्त जोन-01 श्रीमती रश्मि अग्रवाल दुबे व सहायक पुलिस आयुक्त टीटी नगर श्री चन्द्रशेखर पान्डेय जी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रातीबड़ के नेतृत्व में टीम गठित की गई आरोपी से कुल 05 अपराधों का मशरूका सोना व चांदी के आभूषण एक चार पहिया वाहन अल्टो कार,एक दो पहिया वाहन मोटर साईकिल कुल मसरुका लगभग 15 लाख रुपये की रिकवरी कर मशरूका जप्त किया गया ।

आरोपी द्वारा पूछताछ में चोरी की वारदात करने का तरीका बताया गया कि वह भोपाल कोलार में पिछले पांच साल से निवास कर रहा है मूलत: बैतूल का रहने वाला है रात में सूने घरों की रैकी करता था और बैतूल से अपने दोस्तों भूरा मंगल उर्फ राम उज्जैनवार और सागर करोसिया को बैतूल से बुलाकर उनके साथ मिलकर रात्रि के समय में रैकी के दौरान किये गये चिन्हित घरों में ताला तोड़कर चोरी करता था ।

जप्त संपत्ति - आरोपी से 1. अपराध क्रमांक 355/23 धारा 457,380 भादवि में एक सोने का एक मंगलसूत्र, सोने का एक रानी हार, दो सोने की चेन , एक जोड़ चांदी की पायल , बच्चे की सोने की एक हाय व लोकेट ,प्लास्टिक के ऊपर चढी हुई सोने की 02 टुटी चुडियाँ ,02 सोने की अँगुठियाँ ,बच्ची की कान की वाली 2. अपराध क्रमांक 431/23 धारा 457,380 अल्टो कार 9259 3. अपराध क्रमांक 451/23 धारा 457,380 भादवि में सोने का एक हार 4. अपराध क्रमांक 452/23 धारा 457, 380 में सोने का एक हार, दो सोने के टाप्स सोने की एक बच्चों वाली हाय 5. अपराध क्रमांक 459/23 धारा 457,380 भादवि में हरि नगर जैन मंदिर से चोरी गयी 02 दान पेटीयाँ जप्त की गई ।आरोपी से उक्त अपराधों में सोना एंव चांदी के आभूषण , चोरी गई एक अल्टो कार, चोरी में प्रयुक्त एक दो पहिया मोटर सायकिल स्पलेण्डर प्रो व आरोपी का एक मोटोरोला कंपनी का एन्ड्रोईड मोबाईल फोन कुल मशरूका लगभग 15 लाख का जप्त किया गया । आरोपी:- 1- प्रताप मंडल उर्फ छोटू पिता सुभाष मंडल उम्र 26 साल निवासी ग्राम शांतिपुर थाना चौपना जिला बैतूल हाल पता म.नं. 139/2 बंजारी सोसयटी डी सेक्टर थाना कोलार रोड भोपाल। आपराधिक रिकार्ड -1.अप.क्र.758/2022 धारा 457,380 भादवि थाना कोलार रोड भोपाल

2. अप.क्र.1045/2022 धारा 457,380 भादवि थाना कोलार रोड भोपाल

3. अप.क्र.1048/2022 धारा 457,380 भादवि थाना कोलार रोड भोपाल

4. अप.क्र.1055/2022 धारा 457,380 भादवि थाना कोलार रोड भोपाल

5. अप.क्र.1061/2022 धारा 457,380 भादवि थाना कोलार रोड भोपाल

6. अप.क्र.1063/2022 धारा 457,380 भादवि थाना कोलार रोड भोपाल

सराहनीय भूमिका- उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी थाना रातीबड़ मनोज पटवा व गठित टीम उनि राघवेन्द्र सिंह सिकरवार, उनि संजय वर्मा , सउनि लीलाधर , प्रआर 496 रविन्द्र पाल, प्रआर.2902 महेश दांगी, प्रधान आरक्षक 2110 सतेन्द्र, आरक्षक 2090 रविपाल ,आर. 1811 वीरेन्द्र सिंह , महिला आर. 75 मीना पुरोहित, महिला आर. 3177 नेहा लिटोरिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

गाजा: हमास आतंकवादियों के आवास वाले स्कूल पर इजरायली हमले में 27 लोग मारे गए

नेशनल डेस्क- गाजा में हमास आतंकवादियों के आवास वाले स्कूल को निशाना बनाकर किए गए हमले में 27 लोग मारे गए। इजराइल ने गुरुवार को गाजा के एक स्कूल को निशाना बनाया, जिसमें कहा गया था कि इसमें हमास का परिसर था, जिसमें 7 अक्टूबर के हमले में शामिल लड़ाके मारे गए, जिसने आठ महीने के युद्ध को जन्म दिया, गाजा मीडिया ने कहा कि हमले में कम से कम 27 लोग मारे गए। हमास द्वारा संचालित सरकारी मीडिया कार्यालय के निदेशक इस्माइल अल-थवाब्ता ने इज़राइल के दावों को खारिज कर दिया कि मध्य गाजा में नुसीरात में संयुक्त राष्ट्र स्कूल ने हमास कमांड पोस्ट को छिपा दिया था। थवाब्ता ने रॉयटर्स को बताया, कब्जा दर्जनों विस्थापित लोगों के खिलाफ किए गए क्रूर अपराध को सही ठहराने के लिए झूठी मनगढ़ंत कहानियों के माध्यम से जनता की राय से झूठ बोल रही है। इजराइली सेना ने कहा कि इजराइली लड़ाकू विमानों के हमले से पहले सेना ने नागरिकों को नुकसान के जोखिम को कम करने के लिए कदम उठाए थे। इज़राइल ने कहा है कि संघर्ष विराम वार्ता के दौरान लड़ाई नहीं रुकेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन द्वारा पिछले सप्ताह पेश किए गए एक संघर्ष विराम प्रस्ताव को स्पष्ट झटका देते हुए, हमास के नेता ने बुधवार को कहा कि समूह गाजा में युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने और युद्धविराम योजना के हिस्से के रूप में इजरायल की वापसी की मांग करेगा।

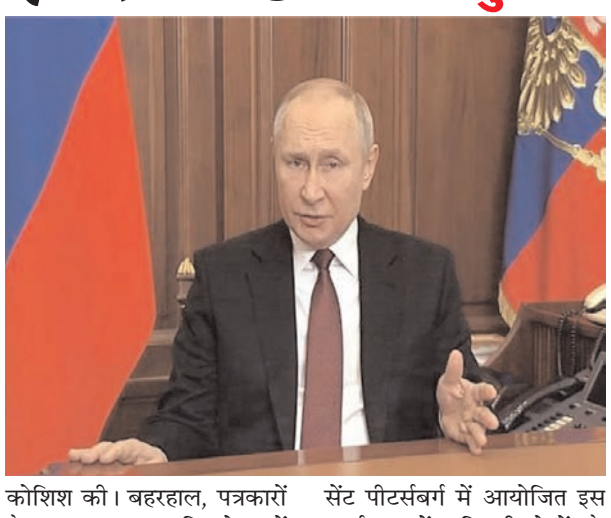

प्रमुख पाकिस्तानी मानवाधिकार कार्यकर्ता सारिम
25 बच्चों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार

इस्लामाबाद- प्रमुख पाकिस्तानी मानवाधिकार कार्यकर्ता सारिम बर्नी को मानव तस्करी के आरोप में देश की शीर्ष जांच एजेंसी ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सरकार की शिकायत के बाद यह कार्रवाई की गयी है। 'जियो न्यूज के अनुसार, संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की मानव तस्करी रोधी टीम ने सारिम बर्नी को अमेरिका से कराची हवाई अड्डे पर पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि मानवाधिकार कार्यकर्ता को अमेरिकी सरकार की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया। सरकार ने बरनी पर 25 से यादा बचों की तस्करी कर अमेरिका भेजने और अवैध रुप से बचों को गोद दिलाने का आरोप लगाया है। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, संघीय जांच एजेंसी गिरफ्तारी से पहले कुछ समय से बर्नी की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। इसकी वेबसाइट के मुताबिक, मानवाधिकार कार्यकर्ता 'सारिम बर्नी वेलफेयर ट्रस्ट इंटरनेशनल नाम से एक गैर-लाभकारी संस्था चलाते हैं। यह संस्था उत्पीड़ित और वंचित लोगों के लिए काम करती है। जानकारी के अनुसार, यह संस्था "बाल दुर्व्यवहार, उत्पीड़न, यौन उत्पीड़न, मानव तस्करी, घरेलू हिंसा, मानवाधिकारों के उल्लंघन, श्रमिक मुआवजा अधिकार और अन्य गंभीर अपराधों के लिए कानूनी सेवाएं प्रदान करती है।

देश की सियासत में उत्तर प्रदेश क्यों है अहम
और क्या हैं इसके सियासत के मायने

नेशनल डेस्क- देश की सियासत में उत्तर प्रदेश की अपनी ही अहमियत है, क्योंकि यहीं से भारत के प्रधानमंत्री बनने का दौर शुरू हआ था। इस राज्य से प्रधानमंत्री की कुर्सी का सफर जवाहरलाल नेहरू से शुरू हुआ था, जो इलाहबाद जिला (पूर्व)- सह-जौनपुर जिला (पश्चिम) सांसद थे, वर्तमान में यह लोकसभा क्षेत्र अब फूलपुर के नाम से जाना जाता है। उनके बाद भी यह सफर जारी रहा है और इलाहाबाद (अब प्रयागराज) से सांसद लाल बहादुर शास्त्री प्रधानमंत्री बने। यह रिवायत जारी रही और रायबरेली से लोकसभा सांसद इंदिरा गांधी ने परंपरा को आगे बढ़ाया।

9 प्रधानमंत्रियों का यू.पी. से रहा है नाता

यह सूची यहीं समाप्त नहीं होती है। इसके बाद बागपत से चरण सिंह, अमेठी से राजीव गांधी, फतेहपुर से वी. पी. सिंह, बलिया से चंद्रशेखर और लखनऊ से अटल बिहारी वाजपेयी सभी पीएम बने। पूरी संभावना थी कि अगर नारायण दत्त तिवारी 1991 में उस समय नैनीताल जो यू.पी. में था, से चुनाव जीत जाते, तो पी वी नरसिम्हा राव नहीं बल्कि वे ही 1991 में प्रधानमंत्री बनते। अक्सर कहा जाता है केंद्र सरकार का रास्ता यू.पी. से होकर जाता है। गुलजारीलाल नंदा, मोरारजी देसाई, नरसिम्हा राव, एच डी देवेगौड़ा, इंद्र कुमार गुजराल और डॉ मनमोहन सिंह को छोड़कर भारत के अन्य 9 प्रधानमंत्री या तो यूपी के निवासी रहे हैं या यूपी से चुने गए हैं।

2013 में यू.पी. में पीएम मोदी और शाह की भूमिका

हाल ही में प्रकाशित पुस्तक एट द हार्ट ऑफ पावर- द चीफ मिनिस्टर्स ऑफ उत्तर प्रदेश किताब के लेखक श्यामलाल यादव ने अपनी किताब में जिक्र किया है कि जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तो उन्हें 9 जून, 2013 को 2014 के लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा की चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उससे तीन सप्ताह पहले 19 मई को उनके करीबी अमित शाह को यूपी में पार्टी का प्रभारी बनाया गया था। इसके बाद 16 जून 2013 को, कांग्रेस, जो उस समय केंद्र में सरकार का नेतृत्व कर रही थी, ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (ए.आई.सी.सी.) के महासचिव मधुसूदन मिस्त्री को यूपी का प्रभारी नियुक्त किया था। मोदी और शाह की तरह मिस्त्री भी गुजरात से हैं। राष्ट्रीय फोकस जनसंख्या और लोकसभा सीटों के मामले में भारत के सबसे बड़े राज्य पर था।

2014 में यू.पी. की 80 सीटों में से 71 पर भाजपा

13 सितंबर 2013 को, मोदी को भाजपा के प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया। सभी संदेहों को दूर करते हुए, भाजपा ने घोषणा की कि मोदी दो सीटों यू.पी. में वाराणसी और गुजरात में वडोदरा से चुनाव लड़ेंगे। जब वे दोनों सीटों से जीते, तो उन्होंने पहले वाली सीट को बरकरार रखा और दूसरे वाली सीट से इस्तीफा दे दिया। भाजपा ने 2014 में यू.पी. की 80 सीटों में से अपने दो सहयोगियों के साथ 71 सीटें जीतीं और मोदी प्रधानमंत्री बने।

कांग्रेस ने अकेले 7 बार यू.पी. के दम पर बनाई सरकारें

कांग्रेस ने सात बार केंद्र में एकदलीय बहुमत वाली सरकारें बनाई हैं और इसका श्रेय यू.पी. में जीती गई सीटों की पर्याप्त संख्या को दिया जा सकता है। जब 1977 में जनता पार्टी सत्ता में आई, तो उसने उस समय राज्य की सभी 85 सीटें जीती थीं। दूसरी ओर कांग्रेस की तीन गठबंधन सरकारों में पार्टी ने 1991 में 85 में से केवल पांच सीटें, 2004 में 80 में से नौ और 2009 में 80 में से 21 सीटें जीतीं। 1996 में केंद्र में संयुक्त मोर्चा (यू.एफ.) की गठबंधन सरकार में समाजवादी पार्टी (एस.पी.) उसकी अहम सहयोगी थी, लेकिन वह राज्य की 85 में से केवल 16 सीटें ही जीत पाई। केंद्र में भाजपा की गठबंधन सरकारों में पार्टी ने 1998 में यूपी में 85 में से 57 सीटें जीती थीं और हालांकि 1999 में यह संख्या कम हो गई थी, फिर भी इसने 85 में से 29 सीटें जीतीं। 2014 और 2019 में केंद्र में भाजपा की बहुमत वाली सरकारों के पास राज्य की 80 में से क्रमश: 71 और 62 सीटें (सहयोगी अपना दल (एस) को छोड़कर) थीं।

जयप्रकाश नारायण और डॉ. राम मनोहर लोहिया की कर्म भूमि

भारत के सबसे निडर विपक्षी नेताओं में से एक डॉ. राम मनोहर लोहिया का जन्म यूपी में हुआ था और वे राज्य की राजनीति में सक्रिय थे। वे यू.पी. से ही लोकसभा भी पहुंचे थे। डॉ. लोहिया ने 26 जून 1962 को नैनीताल में समाजवादी युवजन सभा (एस.वाई.एस.) के प्रशिक्षण शिविर में पहली बार अपनी ऐतिहासिक सप्त क्रांति का जिक्र किया था।

अमेरिका में चुनाव कोई भी जीते, रूस-अमेरिका के संबंधों में कोई बदलाव नहीं आएगा: पुतिन

सेंट पीटर्सबर्ग: रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में भले ही किसी की भी जीत हो, इससे रूस-अमेरिका संबंधों में कोई बदलाव नहीं होगा। पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच के इतर 'एसोसिएटेड प्रेस समेत अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए यह बात कही।

पुतिन ने कहा, "अमेरिका के लोग जिस किसी को भी राष्ट्रपति चुनेंगे, हम उसके साथ काम करेंगे। रूसी नेता ने इस वार्षिक मंच के जरिये रूस के विकास को दर्शाने और निवेशकों को आकर्षित करने की कोशिश की। बहरहाल, पत्रकारों के साथ मुलाकात पिछले सत्रों का हिस्सा थीं, लेकिन यूक्रेन में सेना भेजने के बाद से पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित इस कार्यक्रम में पश्चिमी देशों के पत्रकारों के सवालों का जवाब नहीं दिया है।

विश्व मीडिया ने भाजपा पर कसा तंज

ताजा टिप्पणी में कहा- मोदी की 'अजेय छवि को लगा झटका

वाशिंगटन/लंदन- लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'अजेय छवि को भारतीय मतदाताओं ने न केवल "ध्वस्त कर दिया बल्कि विपक्ष को भी एक नया जीवनदान दे दिया है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भारत के आम चुनाव के परिणामों को लेकर जहां भाजपा पर तंज कसा है वहीं नरेंद्र मोदी पर भी टिप्पणी की है। लोकसभा चुनाव के परिणामों के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 543 सीट में से 240 सीट जीतीं और कांग्रेस ने 99 सीट पर जीत दर्ज की है। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (हृष्ठ) ने 543 सदस्यीय लोकसभा में 272 के बहुमत के आंकड़े को आसानी से पार कर लिया है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की मोदी पर टिप्पणी

भाजपा ने हालांकि अपना पूर्ण बहुमत खो दिया है। 'न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट की शुरुआत इस टिप्पणी से की, "अचानक, नरेन्द्र मोदी के इर्द-गिर्द बनी अजेय छवि खत्म हो गई है। परिणामों को आश्चर्यजनक बताते हुए, इसने कहा कि ये "श्री मोदी के कार्यकाल के एक दशक बाद एक बड़ा उलटफेर हैं। 'द वाशिंगटन पोस्ट ने लिखा, "मंगलवार को जब अंतिम चुनाव परिणाम आए, तो मतदाताओं ने यथास्थिति को लेकर असंतोष दिखाया और लगातार जीतने वाले इस नेता को मुश्किल स्थिति में ला दिया। 'सीएनएन ने कहा, "इस चुनाव में मोदी ने संसद के निचले सदन यानी लोकसभा में 400 सीट जीतने का लक्ष्य रखा था। लेकिन मंगलवार को जैसे-जैसे नतीजे आने शुरू हुए, यह स्पष्ट हो गया कि सत्तारूढ़ भाजपा के पास बहुमत के लिए भी पर्याप्त संख्या नहीं होगी और उन्हें एक दशक पहले सत्ता में आने के बाद पहली बार सरकार में बने रहने के लिए गठबंधन के पुराने सहयोगियों पर निर्भर रहना होगा।

BBC ने क्या कहा ?

ÒBBC ने अपनी खबर में कहा कि यह जनादेश कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन के लिए आश्चर्यजनक पुनरुत्थान का प्रतीक है। चुनाव परिणाम 'एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) और चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों से भी पूरी तरह अलग हैं। इसने कहा कि चुनाव परिणाम दर्शाते हैं कि 'ब्रांड मोदी की चमक कुछ कम हुई है, जिससे यह संकेत मिलता है कि मोदी भी सत्ता विरोधी लहर के प्रति संवेदनशील हैं। इसमें कहा गया है कि दूसरे शब्दों में, मोदी उतने अजेय नहीं हैं जितना उनके कई समर्थक मानते हैं। इससे विपक्ष को नयी उम्मीद मिलती है। बीबीसी ने कहा कि इन परिणामों से कांग्रेस नीत विपक्ष को भी एक नयी ऊर्जा मिलेगी।

'टाइम पत्रिका ने भी साधा निशाना

'टाइम पत्रिका ने 'कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस के दक्षिण एशिया कार्यक्रम के निदेशक मिलन वैष्णव के हवाले से अपनी खबर में कहा, "यह चुनाव निस्संदेह मोदी और भाजपा के लिए एक झटका है। इसमें कहा गया है, "सत्ता में दस साल के बाद, यह कई मायनों में कार्यालय में उनके ट्रैक रिकॉर्ड पर एक जनमत संग्रह था और स्पष्ट रूप से कई भारतीय बेचैन और असहज महसूस कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि मोदी को अब पिछले एक दशक की तुलना में अधिक मजबूत विपक्ष का सामना करना पड़ेगा। इसमें कहा गया है, "उनके (प्रधानमंत्री मोदी) खराब प्रदर्शन के राजनीतिक परिणाम होंगे। कम से कम, भाजपा को अपने गठबंधन के सहयोगियों पर अधिक निर्भर रहना पड़ेगा।

'वॉल स्ट्रीट जर्नल

'वॉल स्ट्रीट जर्नल ने चुनाव परिणामों को मोदी के लिए एक चुनावी झटका बताया। 'द गार्जियन में छपे एक लेख में कहा गया कि चुनाव परिणामों से संकेत मिलता है कि मोदी को वह भारी जीत नहीं मिली है जिसकी कई लोगों ने भविष्यवाणी की थी। 'सीबीसी न्यूज ने कहा कि चुनाव परिणामों से कांग्रेस पार्टी को एक 'नया जीवनदान मिला है। अमेरिका की मास मीडिया कंपनी 'वॉक्स मीडिया ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का चुनाव दर्शाता है कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अभी भी एक लोकतंत्र है। चीन के सरकारी अखबार 'चाइना डेली ने विश्लेषकों के हवाले से अपनी खबर में कहा कि अपने तीसरे कार्यकाल में, मोदी के नेतृत्व वाली सरकार अपना ध्यान घरेलू मुद्दों पर केंद्रित कर सकती है, लोक कल्याण और विकास के लाभों के उचित वितरण को प्राथमिकता दे सकती है और यहां तक कि हिंदू राष्ट्रवाद पर नरम रुख अपना सकती है।

पाकिस्तान का अखबार 'डॉन

पाकिस्तान के अखबार 'डॉन ने अपने संपादकीय में लिखा, "मोदी की जीत, भले ही कमजोर हो लेकिन यह निश्चित रूप से पाकिस्तान के लिए शुभ संकेत नहीं है। मोदी के प्रधानमंत्री के रूप में पिछले दो कार्यकाल के दौरान दोनों देशों के बीच संबंध बहुत खराब हो गए थे। भारत के प्रधानमंत्री ने चुनाव में पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामकता बढ़ा दी थी। इसमें कहा गया है कि भारत को पाकिस्तान से संपर्क साधना चाहिए और पाकिस्तान को भारत के किसी भी कदम का सकारात्मक जवाब देना चाहिए। संपादकीय में कहा गया है कि स्वाभाविक रूप से, विश्वास बहाली में समय लगेगा लेकिन पाकिस्तान-भारत संबंधों में सुधार के बिना दक्षिण एशिया में दीर्घकालिक शांति संभव नहीं है। प्रमुख पाकिस्तानी अखबार ने कहा, "भारत कश्मीर के सवाल से बच नहीं सकता; दोनों पक्षों को कम से कम बातचीत शुरू करनी चाहिए। भारत की नयी सरकार को पाकिस्तान के साथ नए सिरे से शुरुआत करनी चाहिए।

शख्स ने 664 रुपए की लॉटरी में जीता इतना बड़ा ईनाम, ऐश करेंगी कई पीढ़ियां

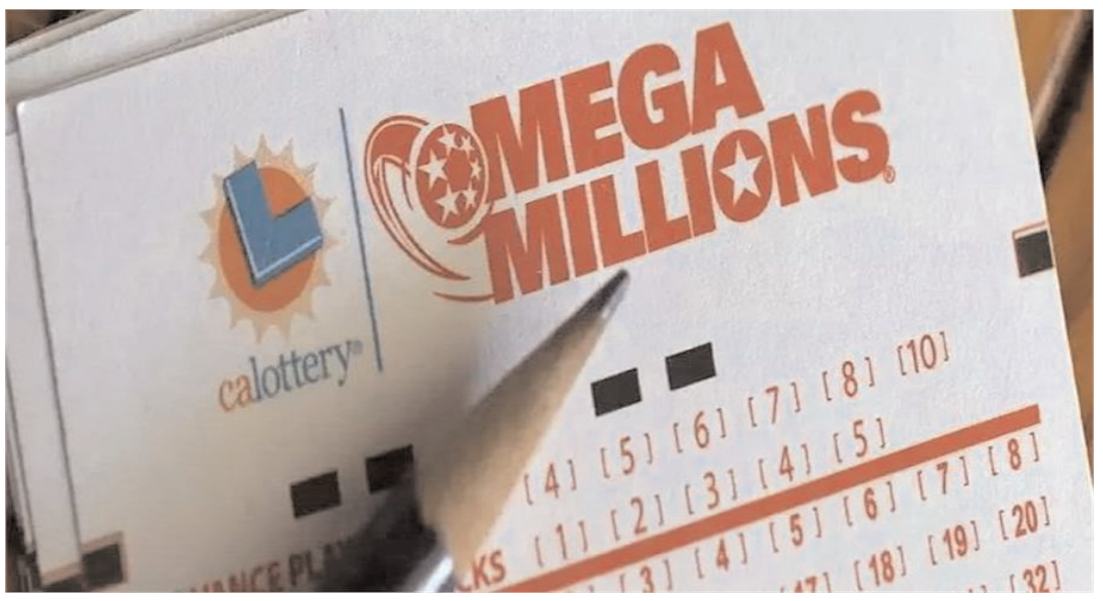

इंटरनेशनल डेस्क: एक कहावत है कि ऊपर वाला जब भी देता है छप्पड़ फाड़ कर देता है । कई बार इंसान की किस्मत बदलते देर नहीं लगती और आदमी चुटकी में रंक से राजा बन जाता है। ऐसा ही कुछ अमेरिका के एक व्यक्ति के साथ हुआ जिसने किस्मत आजमाने के लिए सिर्फ 664 रुपए खर्च किए और दुनिया की 9वीं सबसे बड़ी लॉटरी जीत ली। ईनाम के तौर पर उसे इतना पैसा मिला है कि उसकी कई पीढ़ियों घर बैठकर खा सकती हैं। इस शख्स ने महज 8 डॉलर में एक लॉटरी खरीदी थी और जैकपॉट लगने पर उसे 56 करोड़ डॉलर की रकम मिली है। दुनिया की सबसे बड़ी लॉटरी बेचने वाली कंपनी मेगा मिलियंस की वेबसाइट के मुताबिक, इलीनॉइस के जरिए 6 डिजिट वाली लॉटरी खरीदने वाले शख्स के सभी नंबर मैच कर गए और उसने पहला इनाम जीत लिया। कंपनी की ओर से इनाम के तौर पर 56 करोड़ डॉलर (करीब 4,648 करोड़ रुपये) दिए जाएंगे. हालांकि, अगर शख्स ने अपना इनाम एकमुश्त कैश में लेना चाहा तो उसे 26.4 करोड़ डॉलर (2,191 करोड़ रुपये) मिलेंगे. यह लॉटरी के इतिहास में 9वीं सबसे बड़ी प्राइज मनी है। लॉटरी बेचने वाली वेबसाइट ने विजेता का नाम गुप्त रखा है। कंपनी ने बताया कि उसने 19-37-40-63-69 नंबर की लॉटरी खरीदी थी। इसके बाद 3 महीने तक इंतजार करना पड़ा। लॉटरी के नियमों के मुताबिक अगर इनाम की राशि 2.5 लाख डॉलर से ज्यादा होती है तो वह अपना नाम गुप्त रख सकता है।इससे पहले 26 मार्च को एक व्यक्ति ने 1.12 अरब डॉलर (9,296 करोड़ रुपए) की लॉटरी जीती थी। यह लॉटरी के इतिहास में अब तक की 5वीं सबसे बड़ी जीत थी। ऊपर बताई राशि लॉटरी का पहला इनाम जीतने वाले की है, लेकिन इसके अलावा 9,44,852 अन्य लोगों ने भी 4 जून को हुए ड्रॉ में इनाम जीता है। इसमें 20 लोगों को 20 लाख (16.6 करोड़ रुपए) से 40 लाख डॉलर (33.2 करोड़ रुपए) का इनाम मिलेगा. इसके अलावा 34 लोगों को 10 लाख डॉलर (करीब 8.3 करोड़ रुपए) का इनाम दिया जाएगा। किस्मत खुलने का सिलसिला अभी खत्म नहीं हुआ है। मेगा मिलियंस का कहना है कि शुक्रवार 7 जून को फिर ड्रॉ निकाला जाएगा, जिसमें शुरुआती इनामी राशि 2 करोड़ डॉलर (166 करोड़ रुपए) रखी जाएगी। अमेरिका के इतिहास में सबसे ज्यादा लॉटरी जीतने वाला राज्य डेलवेयर रहा है, जहां अभी तक 10 पावरबाल विनर्स आ चुके हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569